Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 41
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
बुधवार,10 सितम्बर 2025

# मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को प्रदान की गयी डॉक्टरेट

4 भ्रष्टाचार रोकने वाला कानून हो पाएगा पास?

5 ये रिश्ता... की शिवांगी जोशी का साड़ी में खूबसूरत

## सशक्त समाज के निर्माण में शिक्षा अहम: सीएम

**बस्ती (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षा से ही देशहित में सशक्त समाज का निर्माण होता है। बसहवां में सरस्वती विद्या मन्दिर के नए भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास करने के बाद योगी ने कहा कि सरस्वती शिशु मन्दिर शिक्षा की ऐसी नीव है जो पूरे भारत वर्ष में शिक्षा की अलख जगा रही है। 1947 में जब भारत आजादी हुआ तो उस समय शिक्षा को लेकर कोई चिन्हित नही था, नानाजी देशमुख ने शिक्षा की अलख जगाने के लिए गोरखपुर से सरस्वती शिशु मन्दिर का नींव रखी और आज पूरे भारत में 12 हजार से अधिक सरस्वती शिशु मन्दिर शिक्षा के साथ-साथ भारतीयता को अपनाने की सीख दे रहा है। नानाजी देशमुख ने शिक्षा की जो नीव रखी वह बिना सरकारी मदद से रखी थी। कभी-कभी ऐसा होता है कि सरकारें सहायता करती है या नही करती है तब भी शिक्षण संस्थान चलते रहते है, आजादी के समय शिक्षा के रास्ते में ऐसी रूकावटे उत्पन्न हो गई थी जो कभी समाप्त होने का नाम नही ले रही थी, लेकिन राष्ट्रीय स्वयं संघ ने शिक्षा दिलाने के लिए पूरी तरह से अभियान चलाया। आज सरस्वती शिशु मन्दिर से शिक्षा प्राप्त करने के बाद यहां के विद्यार्थी समाज, सरकार, देश के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के अभियान का नेतृत्व कर रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही हम देश के लिए योग्य नागरिक बन सकते है और अपनी देश का संरक्षण कर सकते है। सीएम योगी ने कहा कि चार सौ साल पहले भारत अर्थव्यवस्था में नंबर एक पर था, लेकिन भारत को लूटा गया, छीना गया फिर भी भारत 1947 में आजाद हुआ और विकसित राष्ट्र की श्रेणी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जाना जाता है। विरोधी ताकतें कभी ये नही चाहती थी कि भगवान श्रीराम का भव्य मन्दिर बने लेकिन हमने अपनी संस्कृति, आदर्श का 500 वर्ष बाद स्थापित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा हमें अपने देश से प्रेम, संस्कृति, साहित्य तथा अपने महापुरूषों के बारे ओत-प्रोत करती है।

## गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस पर नगर कीर्तन का आयोजन

### मुख्यमंत्री धामी ने की शिरकत

**ऊधम सिंह नगर (एजेंसी)।** काशीपुर में तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर मंगलवार भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। इस जुलूस में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी शिरकत कर संगत के दर्शन किए। ऊधमसिंह नगर जिले के काशीपुर में तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर मंगलवार भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। इस जुलूस में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी शिरकत कर संगत के दर्शन किए। सीएम धामी सुबह गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब काशीपुर पहुंचे, जहां उन्होंने नगर कीर्तन में शामिल संगत को संबोधित किया। काशीपुर में गुरु तेग बहादुर साहब और उनके शहीद साथी भाई मती दास, भाई सती दास, भाई दयाला के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से आयोजित शहीदी नगर कीर्तन आसाम से लगभग 2500 किमी की यात्रा करते हुए सोमवार देर रात काशीपुर पहुंचा। इस कीर्तन में ज्ञानी के व सिंह, ग्रंथि दरबार साब अमृतसर, रागी जत्थे, थड़ी जत्थे सहित लगभग 200 लोग शामिल हैं।

इस दौरान गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब को भव्य रूप से सजाया गया है। मंगलवार को सुबह 8.30 बजे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब पहुंचे। यहां उन्होंने संगत के दर्शन किए। दर्शन के बाद लोगों से मुलाकात की। इसके बाद लगभग 10 बजे संगत प्रस्थान करेगी और स्वार, मुरादाबाद होते हुए रात गढ़ में सिंह सभा गुरुद्वारा में विश्राम करेगी। यह संगत 25 नवंबर को पंजाब के गुरुरद्वारा श्री अनांदपुर साहिब में समाप्त होगी। गुरुद्वारा में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

## नेपाल में हिंसक प्रदर्शन के चलते हजारों भारतीय टूरिस्ट फंसे, होटलों पर पुलिस का पहरा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नेपाल में इस वक्त हालात काबू से बाहर है। यहां सोमवार को जेन-जी युवाओं ने पूरे देश में प्रदर्शन शुरू कर दिया था। जो आज मंगलवार को भी जारी है। वहीं इस हिंसक प्रदर्शन के चलते नेपाल में करीब 3500 से 4000 तक भारतीय टूरिस्ट के फंसे होने की खबर सामने आई है। बता दें कि ये विरोध सोशल मीडिया पर बैन लगाने वाले फैसले के चलते हो रहा है। इस वक्त वहां के हालात बेकाबू है। देश के तीन प्रमुख मंत्रियों कृषि, स्वास्थ्य और गृह मंत्री ने इस्तीफा दे दिया है। नेपाल में जारी हिंसा के बीच करीब 3500 से 4000 तक वहां भारतीय टूरिस्ट के फंसे होने की की खबर सामने आ रही है। ये लोग लुंबिनी, सूपड़ा देवराली, प्रभुनाथ, मुक्तिनाथ, पशुपतिनाथ दर्शन के अलावा पोखरा और काठमांडू घूमने गए थे। नेपाल के हालात खराब होने के बाद किसी भी टूरिस्ट को बाहर निकलने से मना कर दिया गया है। काठमांडू घाटी के बड़े होटलों पर पुलिस का पहरा है। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा काठमांडू पूरी तरह बंद कर दिया गया। भारत नेपाल सीमा के बार्डर भी बंद कर दिए गए हैं। भारत से नेपाल प्रवेश पूरी तरह बंद है वहीं नेपाल से भारत आने वाले टूरिस्टों के वाहन जगह जगह पुलिस सुरक्षा में रोक दिए गए हैं।

## केजरीवाल को एमपी-एमएलए अदालत से विदेश जाने की मिली अनुमति

सुलतानपुर **(एजेंसी)।** सुलतानपुर की एक एमपी-एमएलए अदालत ने चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के मामले का सामना कर रहे आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल को विदेश यात्रा पर जाने की अनुमति दे दी। केजरीवाल के वकील रूद्र प्रताप सिंह मदन ने मंगलवार को बताया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल से संबंधित मामले की सुनवाई आठ सितंबर को हुई। जिसके बाद अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने आदेश सुरक्षित रख लिया था और बाद में उन्हें विदेश जाने की अनुमति दे दी। आठ सितंबर को मदन ने संवाददाताओं को बताया था कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल के खिलाफ अमेठी में चुनाव आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया था। मदन ने बताया, इससे पहले, अदालत ने इस शर्त पर केजरीवाल को पासपोर्ट के नवीकरण की अनुमति दे दी थी कि वह विदेश यात्रा पर जाने से पहले अदालत की अनुमति लेंगे। आज, हमने अदालत से उस शर्त को हटाने का अनुरोध किया, क्योंकि उन्हें विदेश यात्रा पर जाना है। सुनवाई हुई और आदेश सुरक्षित रख लिया गया। अगस्त में, अदालत ने केजरीवाल को अपने पासपोर्ट का नवीकरण कराने की अनुमति दे दी थी और अदालत की पूर्व मंजूरी के बिना देश से बाहर नहीं जाने का निर्देश दिया था। केजरीवाल के खिलाफ यह मामला 2014 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा है। उस समय केजरीवाल अमेठी में आप प्रत्याशी कुमार विश्वास का चुनाव प्रचार करने आए थे। इसी दौरान अमेठी जिले के गौरीगंज और मुसाफिरखाना थाने में उनके खिलाफ आदर्श आचार संहिता का कथित तौर पर उल्लंघन करने के लिये दो मामले दर्ज किए गए थे। केजरीवाल इन मामलों में जमानत पर हैं। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर वर्तमान में इस मामले में कार्यवाही स्थगित है।

## पीएम का धर्मशाला में बड़ा ऐलान

### बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए जारी किया 1500 करोड़ का राहत पैकेज

**धर्मशाला (एजेंसी)।** हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान को देखते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने राज्य के लिए 1500 करोड़ की वित्तीय सहायता का ऐलान किया है। कांगड़ा जिले के आपदा प्रभावित इलाकों का हवाई दौरे के बाद पीएम मोदी ने यह ऐलान किया है। इसके अलावा उन्होंने मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख और घायलों के लिए 50 हजार की राशि देने का भी ऐलान किया। पीएम ने इस दौरान प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने विशेष रूप से मंडी के गोहर से 11 महीने की बच्ची नितिका के परिवार से मुलाकात की, जिसने सराज में आई आपदा में अपनी दादी, मां और पिता को खो दिया था। यह मुलाकात बेहद भावुक कर देने वाली थी। पीएम मोदी ने राहत और बचाव कार्यों में लगे एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आपदा मित्र स्वयंसेवकों से भी मुलाकात की। उन्होंने उनके साहस और प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने इस मुश्किल घड़ी में लोगों की जान बचाने के लिए कड़ी मेहनत की है। पीएम मोदी ने पहले कांगड़ा के आपदाग्रस्त क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने आसमान से उन जख्मों को देखा, जो भारी बारिश और भूस्खलन से पहाड़ों पर पड़े हैं। हवाई दौरे के बाद वह कांगड़ा के गग्गल एयरपोर्ट पर पहुंचे, जहां हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू, राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर सहित अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया।

## असम: विधानसभा चुनाव से पहले तीन पूर्व विधायक कांग्रेस में शामिल

**गुवाहाटी (एजेंसी)।** असम में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले तीन पूर्व विधायक सोमवार को कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गये। इनमें से दो सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के और एक भाजपा गठबंधन सहयोगी असम गण परिषद (अगप) का है। कांग्रेस पार्टी मुख्यालय, नयी दिल्ली में आयोजित एक समारोह में भाजपा के पूर्व विधायक डॉ. मानसिंह रोंगपी और बिनंदा सैकिया एवं अगप नेता सत्यव्रत कलिता औपचारिक रूप से कांग्रेस में शामिल हो गए। सिपाझार निर्वाचन क्षेत्र से तीन बार विधायक रहे बिनंदा सैकिया और 2006 से 2016 तक लगातार तीन बार बैठालंगसो का प्रतिनिधित्व करने वाले डॉ. रोंगपी के पार्टी में आने से कांग्रेस को उनके राजनीतिक अनुभव का महत्वपूर्ण लाभ होगा। डॉ. रोंगपी 2016 में भाजपा में शामिल हो गए और उपचुनाव में अपनी सीट बरकरार रखी, लेकिन पार्टी ने उन्हें 2021 में टिकट नहीं दिया। अगप के वरिष्ठ नेता सत्यब्रत कलिता ने 2016 में कमालपुर सीट जीती थी।

## उपराष्ट्रपति चुनाव: प्रधानमंत्री मोदी, सोनिया, राहुल, राजनाथ समेत कई नेताओं ने किया मतदान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कई केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न दलों के कई अन्य सांसदों ने देश के नए उप राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान किया। लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य इस चुनाव में हिस्सा लेते हैं तथा इस चुनाव में वे व्हिप के तहत बाध्य नहीं होते। उप राष्ट्रपति पद के लिए सी. पी. राधाकृष्णन, सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार हैं, जिनका

सीधा मुकाबला विपक्ष के प्रत्याशी सुदर्शन रेड्डी से है। उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान सुबह 10 बजे शुरू हुआ और शाम 5 बजे समाप्त होगा। नतीजे मंगलवार देर शाम तक घोषित होने की उम्मीद है। मतदान शुरू होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले मतदान किया। पीएम मोदी ने केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू, अर्जुन राम मेघवाल, जितेंद्र सिंह और एल. मुरुगन के साथ संसद भवन के कमरा संख्या 101, वसुधा में स्थापित मतदान केंद्र में अपना वोट डाला। पीएम मोदी ने बाढ़ प्रभावित हिमाचल प्रदेश और पंजाब के दौरे पर जाने से पहले, एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 2025 के उप राष्ट्रपति चुनाव में मतदान किया। शुरूआत में मतदान करने वालों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा, समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और सैयद नासिर हुसैन शामिल थे।

## राहुल गांधी बाढ़ ग्रस्त हिमाचल और पंजाब का दौरा करेंगे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद अब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी बाढ़ ग्रस्त हिमाचल और पंजाब का दौरा करेंगे। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी की यात्रा का समय अभी निश्चित नहीं हुआ है लेकिन वह इसी सप्ताह हिमाचल प्रदेश और पंजाब जाएंगे और वहां बाढ़ पीड़ितों से भी मुलाकात करेंगे। सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी बाढ़ की स्थिति पर बराबर नजर रखे हैं और उनका कहना है कि वह पीड़ितों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उनका कहना था कि राहुल गांधी बाढ़ की स्थिति को लेकर बराबर हिमाचल सरकार के

संपर्क में है। यह पूछने पर कि क्या राहुल गांधी बाढ़ पीड़ित उत्तराखंड भी जाएंगे। सूत्रों ने कहा कि इसकी अभी उन्हें कोई जानकारी नहीं है। गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश में इस पूरे मौसम में जगह-जगह बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं हो रही है जिसके कारण राज्य को जन धन का भारी नुकसान हुआ है। पंजाब और हरियाणा में बाढ़ के कारण तबाही मची है और जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान करने से पहले आज सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति की समीक्षा करने के लिए हिमाचल प्रदेश और पंजाब के लिए रवाना हो रहा हूं।

## करिश्मा कपूर के बच्चों ने पिता की संपत्ति में हिस्सेदारी के लिए हाईकोर्ट का किया रुख

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अभिनेत्री करिश्मा कपूर के दोनों बच्चों ने अपने दिवंगत पिता संजय कपूर की संपत्ति में हिस्सेदारी के लिए मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। इस अर्जी पर 10 सितंबर को सुनवाई होने की संभावना है। इसमें संजय कपूर की वसीयत को चुनौती दी गई है। अर्जी में दावा किया गया है कि न तो संजय कपूर ने वसीयत के बारे में उल्लेख किया और न ही उनकी सौतेली मां प्रिया कपूर या किसी अन्य व्यक्ति ने कभी इसके अस्तित्व के बारे में उल्लेख किया। इसमें आरोप लगाया गया है कि प्रिया का आचरण यह दशार्ता है कि कथित वसीयत बिना किसी संदेह के उनके द्वारा तैयार की गई है। करिश्मा कपूर के बच्चों ने याचिका में प्रिया कपूर पर आरोप लगाया है कि उन्होंने 7 हफ्ते तक संजय कपूर की वसीयत छुपाकर रखी।

## कुलगाम में मुठभेड़ दूसरे दिन भी जारी, अब तक दो आतंकवादी ढेर और दो जवान शहीद

**श्रीनगर (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रही। एक अधिकारी ने यहां बताया, रात में थोड़ी देर के लिए गोलीबारी रुकने के बाद कुलगाम में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान आज सुबह फिर से शुरू हो गया। सोमवार को शुरू हुई भीषण मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को ढेर किया गया, जिनमें से एक के पाकिस्तानी नागरिक होने का संदेह है। इस अभियान में सेना के एक मेजर भी घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने गुडार वन क्षेत्र में आतंकवादियों

की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद तलाश अभियान शुरू किया। तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाए जाने के बाद मुठभेड़ शुरू हो गयी। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में दो जवान घायल हो गए, जिनकी पहचान सूबेदार प्रभात गौड़ और लांस नायक नरेंद्र सिंधु के रूप में हुई। इसके अलावा सेना का एक मेजर भी घायल हो गया। बाद में गौड़ और सिंधु की मौत हो गई, जबकि मेजर की हालत स्थिर बताई गई है। सेना की कश्मीर स्थित चिनार कोर ने ह्यएक्सह्ण पर एक पोस्ट में कहा कि वह देश के लिए कर्तव्य निभाते हुए बहादुर सैन्यकर्मियों सूबेदार प्रभात गौड़ और लेफ्टिनेंट कमांडर नरेंद्र सिंधु के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करती है।

## मुख्यमंत्री सचिवालय, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, यूसीएमएस को बम से उड़ाने की धमकी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** के मुख्यमंत्री सचिवालय, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) और यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (यूसीएमएस) को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद मंगलवार को सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए इन प्रतिष्ठानों में तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, धमकी से संबंधित एक अलग कॉल भी मिली, जिसके बाद एहतियातन कई दमकल गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि एक ईमेल

के माध्यम से एमएएमसी, मुख्यमंत्री सचिवालय और यूसीएमएस में बम विस्फोट की धमकी दी गई थी। इसके बाद मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत तुरंत समन्वित कार्रवाई की गई और बम निरोधक एवं निस्तारण टीम (बीडीडीटी) को तैनात किया गया। पुलिस उपायुक्त (मध्य) निधिन वल्सन ने एक बयान में कहा सचिवालय में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मध्य), एसीपी कमला मार्केट और एसएचओ आईपी एस्टेट सहित वरिष्ठ अधिकारी तलाशी अभियान की निगरानी कर रहे हैं, जबकि एमएएमसी में यह अभियान आईपी एस्टेट थाने के अतिरिक्त यातायात अधिकारी की निगरानी में चल रहा है। उन्होंने कहा, सभी स्थानों पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं। घबराने की कोई जरूरत नहीं है। डीसीपी ने बताया कि साइबर थाना की एक टीम ईमेल के स्रोत और इसकी प्रामाणिकता की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि यह संदेश पिछले कुछ फर्जी धमकी भरे ईमेल से मिलता-जुलता हो सकता है। उन्होंने कहा प्रारंभिक जानकारी से संकेत मिलते हैं कि यह ईमेल संभवतः किसी अन्य राज्य के स्थान के लिए भेजा गया हो, लेकिन हम इसे पूरी गंभीरता से ले रहे हैं और सभी एसओपी का पालन किया जा रहा है।

# गोरखपुर स्टेशन यार्ड में ट्रैक की सफाई करते हुए सफाईकर्मी

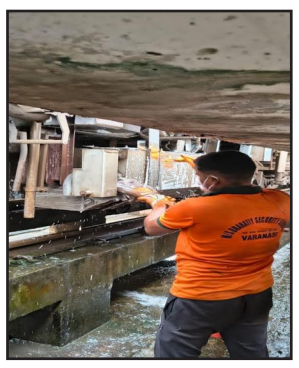

Kashipur Railway Station

**गोरखपुर,:** सम्पूर्ण भारतीय रेल पर मनाये जा रहे स्वच्छता अभियान के द्वितीय चरण के अन्तर्गत 09 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मण्डलों पर स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह अभियान रेलवे के सभी क्षेत्रों जैसे- स्टेशनों, टेज्नों, कालोनियों, कार्यालयों, डिपो एवं कारखानों आदि में स्वच्छता के प्रति हमारे प्रयासों को सार्थक करेगा, साथ ही रेलकर्मियों एवं यात्रियों के बीच जागरूकता को भी बढ़ावा देगा। 09 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मण्डल के सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर स्वच्छता कार्य किया गया। इसी क्रम में स्टेशनों पर कार्य करने वाले स्वास्थ्य निरीक्षकों ने स्वच्छता कर्मचारियों के साथ सार्वजनिक जागरूकता रैली निकाली। स्वच्छता अभियान के दौरान रेलवे कालोनी, अस्पतालों, टेज्नों में स्वच्छता अभियान चलाकर सफाई सुनिश्चित की गयी। आवश्यकतानुसार स्थानों पर डस्टबिन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। पेण्ट्रीकारों में भी स्वच्छता को ध्यान में रखकर सफाई एवं अपशिष्ट प्रबन्धन के लिये प्रोत्साहित किया गया। उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से टेज्नों एवं स्टेशनों पर स्वच्छता बनाये रखने के लिये यात्रियों को जागरूक किया गया। वाराणसी मण्डल के देवरिया सदर, मऊ, सीवान, बलिया, आजमगढ, बनारस, प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर स्वच्छता कार्य करने वाले कर्मचारियों के साथ स्वच्छता नारा और पोस्टर, बैनर लगाकर स्वास्थ्य निरीक्षकों के नेतृत्व में स्वच्छता रैली निकाली गई। अभियान के दौरान बायो-ट्वायलेट की सफाई की गई, स्टेशनों पर डस्टबिन का प्रावधान किया गया, पटरियों के किनारे झाड़ियों को साफ किया गया, पेण्ट्रीकारों में स्मार्ट डिब्बे को प्रोत्साहित करने के लिये जागरूक किया गया तथा उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से स्टेशनों एवं टेज्नों में यात्रियों को स्वच्छता बनाये रखने के लिये जागरूक किया गया। इज्जतनगर मण्डल के हल्द्वानी, काशीपुर, रूद्रपुर सिटी, टनकपुर, कासगंज, रावतपुर, काठगोदाम आदि सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर स्टेशन परिसर, प्लेटफार्म एवं वाशिंग लाइनों पर ट्रेनों की गहन सफाई की गयी।

## जनरेटर सह लगेज यान के 01 कोच सहित कुल 17 कोच लगाये जायेंगे

**गोरखपुर,:** रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की मांग पर 04608/04607 अमृतसर-छपरा-अमृतसर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन अमृतसर से 28 सितम्बर से 30 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को तथा छपरा से 29 सितम्बर से 01 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को 10 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04608 अमृतसर-छपरा साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 28 सितम्बर से 30 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को अमृतसर से 09.40 बजे प्रस्थान कर ब्यास जं. से 10.12 बजे, जलन्धर सिटी से 10.50 बजे, फगवाड़ा से 11.14 बजे, ढंडारीकला से 12.10 बजे, सरहिन्द से 12.56 बजे, राजपुरा से 13.12 बजे, अम्बाला कैंट से 13.55 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 14.37 बजे, सहारनपुर से 15.15 बजे, मुरादाबाद से 18.18 बजे, बरेली से 19.37 बजे, सीतापुर से 23.00 बजे दूसरे दिन गोण्डा से 02.10 बजे, गोरखपुर से 05.10 बजे तथा सीवान से 07.20 बजे छूटकर छपरा 09.00 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 04607 छपरा-अमृतसर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 29 सितम्बर से 01 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को छपरा से 12.00 बजे प्रस्थान कर सीवान से 13.07 बजे, गोरखपुर से 15.50 बजे, गोंडा से 18.20 बजे, सीतापुर से 21.30 बजे दूसरे दिन बरेली से 00.58 बजे, मुरादाबाद से 02.50 बजे, सहारनपुर से 06.50 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 07.23 बजे, अम्बाला कैंट से 08.18 बजे, राजपुरा से 08.43 बजे, सरहिन्द से 09.18 बजे, ढंडारी कलां से 10.50 बजे, फगवाड़ा से 11.42 बजे, जलन्धर सिटी से 12.15 बजे तथा ब्यास से 12.50 बजे छूटकर अमृतसर 13.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 09, एल.एस.एल.आर.डी. का 01 तथा जनरेटर सह लगेज यान के 01 कोच सहित कुल 17 कोच लगाये जायेंगे।

## जनरेटर सह लगेज यान के 01 कोच सहित 16 कोच लगाये जायेंगे

**गोरखपुर,:** रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की मांग पर 09083/09084 मुम्बई सेन्ट्रल-बनारस-मुम्बई सेन्ट्रल वातानुकूलित साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन मुम्बई सेन्ट्रल से 17, 24 सितम्बर, 01, 08, 15, 22, 29 अक्टूबर तथा 05 नवम्बर,2025 बुधवार को तथा बनारस से 19, 26 सितम्बर, 03, 10, 17, 24, 31 अक्टूबर तथा 07 नवम्बर,2025 दिन शुक्रवार को 08 फेरे के लिये किया जायेगा।

09083 मुम्बई सेण्ट्रल-बनारस वातानुकूलित साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 17, 24 सितम्बर, 01, 08, 15, 22, 29 अक्टूबर तथा 05 नवम्बर,2025 दिन बुधवार को मुम्बई सेण्ट्रल से 23.10 बजे प्रस्थान कर बोरीवली से 23.43 बजे, दूसरे दिन पालघर से 00.20 बजे, वापी से 01.22 बजे, बलसाड से 01.45 बजे, सूरत से 03.29 बजे, वड़ोदरा से 05.15 बजे, रतलाम से 08.45 बजे, कोटा से 12.20 बजे, सवाई माधोपुर से 13.40 बजे, गंगापुर सिटी से 14.33 बजे, भरतपुर से 16.10 बजे, ईदगाह से 17.45 बजे, टुण्डला से 19.25 बजे, शिकोहाबाद से 20.17 बजे, मैनपुरी से 21.07 बजे, भोगाँव से 21.27 बजे, फरूर्खाबाद से 23.15 बजे, तीसरे दिन कानपुर सेण्ट्रल से 02.25 बजे, लखनऊ से 04.25 बजे, राय बरेली जं0 से 05.55 बजे, अमेठी से 06.52 बजे, मां वेल्हादेवी धाम प्रतापगढ़ से 07.35 बजे, जंघई से 08.32 बजे तथा भदोही से 09.02 बजे छूटकर बनारस 10.30 बजे पहुंचेगी।

09084 बनारस-मुम्बई सेण्ट्रल वातानुकूलित साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 19, 26 सितम्बर, 03, 10, 17, 24, 31 अक्टूबर तथा 07 नवम्बर,2025 दिन शुक्रवार को बनारस से 14.30 बजे प्रस्थान कर भदोही से 15.32 बजे, जंघई से 16.04 बजे, मां वेल्हादेवी धाम प्रतापगढ़ से 16.58 बजे, अमेठी से 17.40 बजे, राय बरेली से 18.45 बजे, लखनऊ से 20.55 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 22.20 बजे, दूसरे दिन फरूर्खाबाद से 03.00 बजे, भोगाँव से 03.50 बजे, मैनपुरी से 04.12 बजे, शिकोहाबाद से 05.12 बजे, टुण्डला से 06.52 बजे, ईदगाह से 07.40 बजे, भरतपुर से 10.00 बजे, गंगापुर सिटी से 11.30 बजे, सवाई माधोपुर से 12.20 बजे, कोटा से 14.00 बजे, रतलाम से 17.55 बजे, वड़ोदरा से 21.54 बजे, सूरत से 23.49 बजे, तीसरे दिन बलसाड से 01.08 बजे, वापी से 01.30 बजे पालघर से 02.59 बजे तथा बोरीवली से 03.41 बजे छूटकर मुम्बई सेण्ट्रल 04.20 बजे पहुंचेगी।

इस गाड़ी में वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 03, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय इकोनामी के 04, एल.एस.एल.आर.डी. का 01 तथा जनरेटर सह लगेज यान के 01 कोच सहित 16 कोच लगाये जायेंगे।

## बइरबीझसायरंग रेल परियोजना: पूर्वोत्तर भारत को प्रगति से जोड़ती ऐतिहासिक पहल

भारतीय रेल ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए, आजादी के बाद पहली बार मिजोरम की राजधानी आइजोल को देश के रेल मानचित्र से जोड़ा है। बइरबीझसायरंग रेल परियोजना के पूरा होने से पूर्वोत्तर भारत की चौथी राजधानी को रेल संपर्क प्राप्त हुआ है। यह परियोजना न केवल भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण मानी जाती है, बल्कि इंजीनियरिंग और निर्माण की दृष्टि से भी भारतीय रेल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

पूर्वोत्तर में नई रेल क्रांति

अब तक पूर्वोत्तर क्षेत्र की तीन राजधानियाँ–गुवाहाटी (असम), ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश) और अगरतला (त्रिपुरा)- सीधे रेल नेटवर्क से जुड़ी थीं। मई 2025 में सायरंग तक सफल ट्रायल रन के साथ आइजोल इस सूची में चौथी राजधानी बन गई। यह ऐतिहासिक कदम न केवल मिजोरम के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करता है, बल्कि क्षेत्र की सामाजिक और आर्थिक प्रगति का मार्ग भी प्रशस्त करता है।

परियोजना का स्वरूप और लागत

बइरबीझसायरंग रेल परियोजना की कुल लंबाई 51.38 किलोमीटर है। यह बइरबी से शुरू होकर आइजोल के निकट स्थित सायरंग तक जाती है। परियोजना को चार प्रमुख सेक्शनों में बांटा गया है:

-बइरबीझहरतकी सेक्शन- 16.72 किमी
-हरतकीझकावनपुई सेक्शनझ 9.71 किमी
-कावनपुईझमुअलखांग सेक्शनझ 12.11 किमी
-मुअलखांगझसायरंग सेक्शनझ 12.84 किमी

पूरे प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत लगभग ?8071 करोड़ रुपये से अधिक है। इस परियोजना के तहत चार नए स्टेशन- हरतकी, कावनपुई, मुअलखांग और सायरंग का निर्माण किया गया है।

इंजीनियरिंग और निर्माण की चुनौतियाँ

मिजोरम का भौगोलिक स्वरूप कठिन और पहाड़ियों वाला है। यहाँ रेलवे ट्रैक बिछाने के लिए अनेक पुलों और सुरंगों की आवश्यकता थी। इस परियोजना में कुल 55 बड़े पुल और 87 छोटे पुल बनाए गए हैं। इसके अलावा 48 सुरंगों का निर्माण किया गया है, जिनकी कुल लंबाई 12.8 किलोमीटर से अधिक है।

परियोजना का सबसे उल्लेखनीय इंजीनियरिंग चमत्कार है पुल संख्या 196 का पियर ढ-4, जिसकी ऊँचाई 114 मीटर है। यह कुतुब मीनार से भी 42 मीटर ऊँचा है। इसके अतिरिक्त, यात्रियों और माल ढुलाई की सुगमता के लिए 5 रोड ओवरब्रिज (फ्लाइ) और 6 रोड अंडरब्रिज (फ्लाइ) का भी निर्माण किया गया है।

निर्माण कार्य की उपलब्धियाँ

रेलवे इंजीनियरों ने अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में इस परियोजना को पूरा किया। नरम मिट्टी, बरसात से भरे मौसम और दुर्गम पहाड़ियों पर काम करना बिल्कुल भी आसान नहीं था। इसके बावजूद, ऑटोमैटिक टनलिंग मेथड जैसी आधुनिक तकनीकों, सुरक्षा उपायों और सटीक निर्माण योजना की मदद से सुरंगों की ड्रिलिंग, पुलों की नींव डालने तथा ऊँचाई पर विशाल संरचनाएँ खड़ी करने जैसे जटिल कार्य सफलतापूर्वक पूरे किए गए, ताकि यात्रियों की रेल यात्रा न केवल तेज और आरामदायक हो, बल्कि सुरक्षित भी हो।

मिजोरम को मिलने वाले लाभ

बइरबीझसायरंग रेल परियोजना मिजोरम की आर्थिक और सामाजिक प्रगति के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

-कृषि और स्थानीय उद्योग के लिए नए बाजार: मिजोरम के किसान, बुनकर और स्थानीय उद्योग अब अपने उत्पादों को आसानी से देश के अन्य हिस्सों तक पहुँचा पाएंगे।

-माल ढुलाई की दक्षता: रेल मार्ग से माल परिवहन तेज और सस्ता होगा, जिससे व्यापार और उद्योग को बल मिलेगा।

-समय की बचत: सड़क मार्ग पर ज्यादा समय लेने वाली यात्रा अब ट्रेनों के जरिए कम समय में पूरी होगी।

-पर्यटन को बढ़ावा: मिजोरम की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर तक पहुँच आसान होगी, जिससे पर्यटन उद्योग को गति मिलेगी।

पूर्वोत्तर का भविष्य और रेल संपर्क

भारतीय रेल की यह परियोजना केवल मिजोरम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूर्वोत्तर भारत के लिए एक नई विकास गाथा लिखती है। बेहतर रेल संपर्क से इस क्षेत्र में निवेश की संभावनाएँ बढ़ेंगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। यह परियोजना ह्यकनेक्टिंग नॉर्थईस्ट टू द नेशनह्न के संकल्प को मजबूत करती है।

बइरबीझसायरंग रेल परियोजना भारतीय रेल की इंजीनियरिंग दक्षता, दूरदर्शी योजना और विकास के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण है। कठिन पहाड़ियों और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों को पार करते हुए यह परियोजना पूर्वोत्तर भारत की जीवनधारा को नई गति देती है। आइजोल का रेल मानचित्र से जुड़ना मिजोरम के साथ पूरे देश के लिए गर्व का विषय है।

# काशी में 9.50 करोड़ रुपये से बने 62 स्कल्पचर

**वाराणसी।** वाराणसी जिले के फुलवरिया में देश प्रेम का स्कल्पचर जिस पत्थर पर रखा गया है, वहां की फर्श उखड़ रही है। उसमें दरारें आ गई हैं। वहीं रामनगर में लस्सीवाले स्कल्पचर के पैर में दरार आ गया है। वाराणसी शहर की सुंदरता बढ़ाने के लिए लगाए जा रहे स्कल्पचर दरार के साथ झुकने लगे हैं। रामनगर में लस्सीवाला और फुलवरिया में देश प्रेम के स्कल्पचर को देखकर इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। यह कार्य संस्कृति विभाग, वीडीए, बरेका मिलकर करा रहे हैं। 9.5 करोड़ रुपये की लागत से 62 स्थानों पर स्कल्पचर लगाए जा रहे हैं। फुलवरिया में देश प्रेम का स्कल्पचर जिस पत्थर पर रखा गया है, वहां की फर्श उखड़ रही है। उसमें दरारें आ गई हैं। स्कल्पचर का एक हाथ धीरे-धीरे झुक रहा है जबकि दूसरे हाथ की

हथेली नहीं है। इसके आसपास काफी गंदगी है। जिसकी साफ सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। रामनगर में लस्सीवाला स्कल्पचर के पैर में दरार होने के कारण एक ओर झुक रहा है। इन स्कल्पचर के बारे में पूरी जानकारी बोर्ड पर लिखी है। जिस पर रेलवे और वीडीए का लोगो लगा हुआ है। वीडीए के एक अधिकारी ने बताया कि स्कल्पचर का काम पूरा नहीं हुआ है। यह अभी अंडर कंस्ट्रक्शन है। इंस्टालेशन का काम चल रहा है। ज्यादातर बनारस के कार्यशाला में और कुछ बाहर से स्कल्पचर मंगाए जा रहे हैं। काम पूरा होने के बाद सब ठीक हो जाएगा। स्कल्चर से न केवल काशी की सुंदरता निखरेगी बल्कि शहर के सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों को भी उजागर करेगी। इन स्कल्पचर के माध्यम से कबाड़ को कला का रूप देकर पुनः उपयोग में लाने की प्रेरणा मिलेगी। इसके तहत 62 स्कल्पचर शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर लगाए जाएंगे। इनमें से 35 लगाए जा चुके हैं। बाकी बचे 27 स्कल्पचर जल्द लगाए जाएंगे। इसकी मंशा है कि शहर के सड़कों, चौराहों, प्रमुख स्थानों पर इन स्कल्पचर के जरिये स्थानीय पहचान को कलात्मक स्वरूप दिया जाए। ये कलाकृतियां स्क्रैप से तैयार की गई हैं।

# ये कैसी राहत कागज पर बढ़ा दिया जीएसटी

**कानपुर।** जीएसटी काउंसिल ने दैनिक वस्तुओं पर जीएसटी की दरें कम कर दी हैं। इसका व्यापक प्रभाव आने वाले समय में उत्पादन क्षेत्र पर दिखेगा। हालांकि कंपनियों को कम जीएसटी होने का लाभ आम जनता को देना चाहिए। इससे महंगाई घटेगी और लोगों की क्रय क्षमता बढ़ेगी। जीएसटी काउंसिल ने लोगों को जीएसटी दरों में राहत दी है लेकिन कॉपी किताब और कागज मिल संचालक असमंजस में हैं। दरअसल काउंसिल ने कॉपी, प्रैक्टिकल, एक्सरसाइज बुक, टेस्ट बुक, ग्राफ बुक और नोट बुक में जीएसटी शून्य कर दी है। वहीं कागज पर जीएसटी की दर 12 से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दी है जबकि कागज से ही यह उत्पाद तैयार किए जाते हैं। इसके मायने यह है हुआ कि छह प्रतिशत टैक्स और बढ़ गया है। कारोबारियों ने सरकार से मांग उठाई है कि इस पर स्थिति 22 सितंबर से पहले स्पष्ट कर दी जाए। असमंजस के चलते कारोबारी गतिविधियां ठप हो गई हैं। शहर में 800 से ज्यादा कॉपी किताब व्यापारी और पेपर मिल संचालक हैं जो नई घोषणा के बाद से परेशान हैं। पेपर वेलफेयर सोसाइटी उत्तर प्रदेश के चेयरमैन गोपी किशन माहेश्वरी और कोषाध्यक्ष राजीव माहेश्वरी ने बताया कि कागज पर पहले 12 प्रतिशत जीएसटी था। अब अब इसे बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया है, जबकि इससे बनने वाले उत्पाद जैसे कॉपी, प्रैक्टिकल, एक्सरसाइज बुक, टेक्स्ट बुक, ग्राफ बुक और नोट बुक में जीएसटी शून्य कर दी है। कागज वाला पेपर मैन्युफैक्चरर से माल कैसे मंगाएगा उन्होंने बताया कि कागज का एचएसएन कोड 4802 में आता है। काउंसिल ने अब इसे दो पार्ट में विभाजित कर दिया है 4802 के पहले पार्ट में मंगाया जाने वाला कागज कॉपी वालों को बिका तो शून्य जीएसटी में बिकेगा। दूसरे पार्ट में इसमें मंगाया जाने वाला कागज कॉपी वालों के अलावा किसी अन्य को बेचा जाएगा तो 18 प्रतिशत में बिकेगा। सवाल यह है कि कागज वाला पेपर मैन्युफैक्चरर से माल कैसे मंगाएगा। पेपर मैन्युफैक्चरर कागज वाले को बिलिंग कैसे करेगा। 18 प्रतिशत में करेगा, तो शिक्षा सस्ती नहीं होगी। शून्य में करेगा तो कागज से टैक्स ही समाप्त हो जाएगा। सरकार समस्या का समाधान जल्द से जल्द करे सुझाव दिया कि सरकार सभी कॉपी मैन्युफैक्चरर को एक नंबर जारी करे जैसे अखबार वालों को दिया जाता है। अखबार वाले कागज खरीद पर अपना प्रमाणपत्र कागज मैन्युफैक्चरर को देता है। तब उसको टैक्स में छूट मिलती है। उसी प्रकार अगर कॉपी वाले को नंबर दे तो उसके प्रमाणपत्र पर जो माल आगा तो वह शून्य बिलिंग पर आएगा जिसका प्रमाण पत्र नहीं होगा। एसोसिएशन के मंत्री प्रदीप दीक्षित ने बताया कि अब एचएसएन 4802 के अलावा एचएसएन 4810, 4805, 4806 का माल भी कॉपी वाले को लगता है। ड्यूप्लेक्स बोर्ड, ड्रइंग कॉपी में ट्रेसिंग पेपर, कॉपी किताब में चढ़ने वाला जिल्द का कागज 18 प्रतिशत में और अन्य वस्तुएं भी 18 प्रतिशत जीएसटी में चली गई हैं। सरकार समस्या का समाधान जल्द से जल्द करे। जीएसटी काउंसिल ने दैनिक वस्तुओं पर जीएसटी की दरें कम कर दी हैं। इसका व्यापक प्रभाव आने वाले समय में उत्पादन क्षेत्र पर दिखेगा।

## मारपीट में घायल युवक मौत से मचा हड़कंप

**वाराणसी।** वाराणसी जिले में दो पड़ोसियों के बीच मारपीट की घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। जिससे नाराज होकर परिजनों समेत अन्य लोगों ने थाने का घेराव किया। वाराणसी जिले के रामनगर क्षेत्र में मारपीट में घायल चंदन चौहान (26) की मंगलवार की सुबह ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई। मारपीट की घटना बीते शुक्रवार को कुंआ पर सामान रखने को लेकर पड़ोसियों के बीच हुई थी। युवक की मौत की खबर मिलते ही सैकड़ों की संख्या में महिला, पुरुष व बच्चे थाने पहुंच कर आरोपी की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। थाना परिसर में ही धरने पर बैठ गए। लोगों का आरोप है कि पुलिस मामले में हीलाहवाली कर रही है। मौके पर मौजूद पुलिस लोगों को समझाने का प्रयास करती रही। नगर के गोलाघाट वार्ड में बीते शुक्रवार को दो पड़ोसियों में सामान रखने को लेकर विवाद हो गया। गालीगलौज से शुरू हुआ विवाद इतना बड़ गया कि मारपीट में बदल गया। मृतक के परिजनों का आरोप है कि विपक्षी द्वारा बैट, डंडे से मारपीट कर चंदन को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। बचाव करने पहुंची मां व पत्नी को भी पीटा गया। आरोप है कि मुकदमा दर्ज कराने के बाद से ही पुलिस मामले में हीलाहवाली कर रही है। समाचार लिखे जाने तक मृतक के परिजन सहित मोहल्ले के लोगों का थाने में धरना जारी है।

## वाराणसी में महिलाओं ने अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ खोला मोर्चा

वाराणसी। कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ वाराणसी जिले में महिलाओं ने मंगलवार को मोर्चा खोल दिया। महिलाओं ने पोस्टर बैनर के साथ प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाओं ने जमकर नारेबाजी की और अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

## संक्षिप्त खबरें

### विकसित यूपी के लिए उद्यमियों ने दिए सुझाव

**बस्ती।** उत्तर प्रदेश को 2047 तक सबसे विकसित और आत्मनिर्भर राज्य बनाने के उद्देश्य से सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में सेवा निवृत्त अफसर, सफल उद्यमी, प्रबुध वर्ग की प्रशासनिक अफसरों के साथ मंत्रणा हुई। उद्यमियों ने तमाम अहम सुझाव दिए। जिसे विकसित यूपी के प्रस्ताव में शामिल किया गया। शासन से नामित सेवानिवृत्त आईएएस ओएन सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की। सेवानिवृत्त कर्नल केसी मिश्र, सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. आरएन ओझा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमार गंज अयोध्या डॉ. वीपी शाही, सेवानिवृत्त प्रमुख अभियंता लोनिवि संजय कुमार श्रीवास्तव ने हिस्सा लिया। इसमें जिले के युवा उद्यमी सिद्धार्थ शंकर मिश्र ने सुझाव पेश किया कि जिले में उद्योग जगत को बढ़ावा देने के लिए मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत है। बस्ती में निवेशकों की कमी नहीं है। लेकिन, भूमि, मार्ग, बिजली, कंपाउंड काउंटर आदि व्यवस्थाएं विकसित न होने के चलते लोग गोरखपुर गीडा, नोएडा, यूके आदि जगहों के औद्योगिक आस्थानों में जाकर पूंजी निवेश कर रहे हैं। उस तरह की व्यवस्था यदि यहां विकसित हो तो बाहर निवेश करने से लोग खुद बचेंगे। दो बिंदुओं पर हमें खास ध्यान देना होगा। उद्योग के जरिये विभिन्न तरह का उत्पादन बढ़े और उसके खपत का भी व्यवस्था सुलभ हो। उद्यमियों के लिए सुरक्षा के विशेष इंतजाम हो। उन्होंने सुझाव दिया कि एक योजना बनाकर यहां के निवेशकों को विभिन्न देशों का भ्रमण कराकर वहां के उद्यम के बारे में जागरूक किया जाए। इस दौरान समूह की महिलाओं ने अपने अहम सुझाव दिए।

### ब्लॉक परिसर में लगाए हरिशंकरी पौधे

**बस्ती।** लोक भारती व जिला प्रशासन के साथ सामाजिक संगठनों के सहयोग से ब्लॉक परिसर में हरिशंकरी पौधे लगाए गए। क्षेत्रीय विधायक अजय सिंह व लोक भारती के संपर्क प्रमुख श्रीकृष्ण चौधरी मौजूद रहे। विधायक अजय सिंह ने कहा कि हर संकरी के पेड़ केवल वृक्ष नहीं ये जीवन हैं। सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति में इन वृक्षों ब्रह्मा विष्णु महेश कहा गया है। हिंदुओं की आस्था व जुड़ाव इन पेड़ो से आदि काल से जुड़ी है। उन्होंने कार्यक्रम उपस्थित प्रधानों व लोगो से पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए हर संकरी के पौधे लगाए जाने की अपील की। श्रीकृष्ण चौधरी ने अपने उद्बोधन में लोक भारती संगठन के क्रिया कलापों से अवगत कराते हुए कहा कि पीपल, बरगद और पाकड़ जैसे हर संकरी वृक्ष जीवन के संवाहक हैं। ये वृक्ष प्राणवायु के अमृत-स्रोत हैं, जलस्तर को संतुलित रखते हैं, पशु-पक्षियों और जीव-जंतुओं के लिए भोजन एवं प्राकृतिक आवास प्रदान करते हैं। कार्यक्रम को नगर पंचायत अध्यक्ष कौशलेंद्र प्रताप सिंह, योगेंद्र सिंह, डॉ. दीनानाथ पटेल ने भी संबोधित किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता डाक्टर राम नरेश सिंह मंजुल ने किया। कप्तानगंज ब्लॉक सभागार में भी हर शंकरी पौधे रोपण को लेकर बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष चंद्र प्रकाश चौधरी ने की।

### कमरे का ताला तोड़कर जेवर चोरी

**बस्ती।** सोनहा थानाक्षेत्र के तुरकौलिया उर्फ करमहिया टोला कोटिया में एक मकान का ताला तोड़कर चोरी की घटना सामने आई है। गांव निवासी सुमन ने पुलिस को बताया कि उनके पति धर्मेंद्र मुंबई में रहते हैं और वह बच्चों के साथ घर पर रहती हैं। शनिवार की रात में चोर उनके कमरे का ताला तोड़कर कमरे में घुस गए। अंदर रखा बक्से का ताला तोड़कर उसमें रखा सोने का झाला, मंगलसूत्र, पावजेब व पायल चुरा ले गए। रविवार की सुबह उठी तो ताला टूटा था और सारा सामान बिखरा था। घर में किसी के न होने के कारण पुलिस को सूचना सोमवार को दी। पुलिस छानबीन में जुटी है।

### जानलेवा हमले के आरोपियों पर केस

**बस्ती।** परशुरामपुर थाना क्षेत्र के रिधौरा गांव में रविवार को कुछ लोगो ने घर पर बैठे एक व्यक्ति को जानलेवा हमला कर लहूलुहान कर दिया। बचाने दौड़ी उसकी मां को भी मारपीट कर भाग निकले। रिधौरा गांव निवासी मनोज कुमार ने तहरीर देकर बताया कि रविवार को अपने दरवाजे पर बैठे थे। शाम 6 बजे तीन हमलावरों ने घर पर पहुंचकर लाठी और कुल्हाड़ी से हमला किया। जब तक पास-पड़ोस के लोग जुटते हमलावर अंधेरे का लाभ उठा कर भाग निकले। घघौवा चौकी प्रभारी पंकज त्यागी ने बताया कि कंचनपुर निवासी नीलू यादव, अरुण यादव निवासी महावीरन नवाबगंज गोंडा और बचन मिस्त्री के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

### समाधान दिवस एसडीएम सीओ ने सुनीं शिकायतें

**बस्ती।** जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान में मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों में व्यस्तता के चलते डीएम रवीश गुप्ता और एसपी अभिनंदन नहीं पहुंच सके। इस वजह से यहां सुनवाई एसडीएम और सीओ हरैया को करनी पड़ी। जिससे समाधान दिवस औपचारिकता बनकर रह गया। यहां कुल 47 मामले आए। सात मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया। 40 मामलों को लंबित छोड़ दिया गया। दर्ज मामलों में राजस्व 23, पुलिस 10, विकास 10, विद्युत दो व अन्य विभागों से जुड़े दो मामले शामिल रहे। भानपुर संवाद के अनुसार अतिरिक्त मजिस्ट्रेट राजेश यादव ने यहां जनसुनवाई की। कुल दर्ज 33 मामले दर्ज हुए। महज एक मामले का मौके पर निस्तारण किया गया। 32 मामलों को लंबित छोड़ दिया गया। सर्वाधिक 17 मामले राजस्व विभाग से संबंधित पाए गए। बिजली विभाग के 6, पुलिस के 5, सिंचाई, वन, विकास नगर पंचायत और लीड बैंक से संबंधित एक मामला रहा।

### बिजली कड़कने से महिला की घबराहट में मौत

**बस्ती।** थाना क्षेत्र के माझा (सोनरापुर) गांव में सोमवार शाम को बिजली कड़कने से खेत में चारा काटने गई (30) वर्षीय महिला की मौत हो गई। यहां के राम चरन की बेटी पूजा की शादी सोनहा थाना के दुबियहवा गांव में हुई थी। ग्रामीणों के मुताबिक, तीन माह पहले घर पर ही पूजा को सांप काट लिया था। जिला अस्पताल में इलाज चला। उसके बाद मायके में रहने लगी थी। सोमवार की शाम को करीब तीन बजे पूजा अपनी मां रामललली के साथ खेत में पशुओं का चारा काटने गई थी। अचानक बिजली कड़कने के साथ ही बारिश होने लगी। अपने को सुरक्षित रखने के लिए मां-बेटी एक पेड़ के नीचे बैठ गई। तभी तेजी से बिजली कड़कने लगी। पूजा अपने हाथ की मोबाइल मां को पकड़ाते हुए लुढ़क गई। खेत में ही उसकी मौत हो गई। मां की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े और आनन फानन एक निजी चिकित्सक के पास ले गये। जहां पर डॉक्टरों ने पूजा निषाद को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने घटना की सूचना ससुराल के लोगों दिया।पूजा निषाद के पति मुंबई में रहकर प्राइवेट जॉब करते हैं। घटना की सूचना मिलते ही पति मुंबई से रवाना हो गए। मां की मौत से पूजा का इकलौता बेटा आर्यन (6) ,पिता राम चरन और मां राम लली का रो रोकर बुरा हाल है।

## ट्यूनीशिया ने फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया, सातवीं बार खेलेंगे टूनार्मेंट

ट्यूनीशिया ने कुल सातवीं और लगातार तीसरी बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है। मोहम्मद अली बेन रोमधाने के इंजरी टाइम के चौथे मिनट में किए गए गोल की मदद से ट्यूनीशिया ने इक्वेटोरियल गिनी पर 1-0 से जीत दर्ज करके फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। ट्यूनीशिया को अगले साल उत्तरी अमेरिका में होने वाले विश्व कप में जगह पक्की करने के लिए दो मैच बाकी रहते जीत की जरूरत थी। वह ग्रुप एच में आठ मैचों में 22 अंकों के साथ शीर्ष पर है। वह दूसरे स्थान पर मौजूद नामीबिया से 10 अंक आगे है। ट्यूनीशिया ने क्वालीफाइंग में अभी तक एक भी गोल नहीं खाया है। ट्यूनीशिया ने कुल सातवीं और लगातार तीसरी बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है। वह विश्व कप में 2018 और 2022 में ग्रुप चरण में ही बाहर हो गया था।

## एमिटी विवि के वाइस चांसलर को एक्सीलेंसी अवॉर्ड

ग्वालियर। एमिटी विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. आर.एस. तोमर को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा एक्सीलेंसी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान जिला मुरैना में आयोजित संभागीय कार्यशाला एवं पत्रकार सम्मेलन के अवसर पर प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंसाना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होते हैं, जो प्रशासन की कमियों को उजागर करने के साथ ही आमजन की समस्याओं को शासन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. आर.एस. तोमर ने कहा कि निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता न केवल जनता को शिक्षित करती है बल्कि उन्हें जागरूक करने में भी अहम भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में महापौर शारदा सोलंकी, मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

## बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता संपन्न

ग्वालियर। प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का सफल आयोजन सोमवार को किया गया। प्रतियोगिता में छात्रों की सृजनात्मकता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी स्पष्ट दिखी। निर्णायकों ने मेहनत, रचनात्मक सोच और प्रस्तुति के आधार पर परिणाम घोषित किए, जिसमें पूर्वी गुप्ता और अनुभूति श्रीवास्तव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रश्मि चौहान एवं सहायक प्राध्यापिका नेहा भदौरिया थीं। छात्रा संयोजक राधिका यादव ने प्रतिभागियों के समन्वय और व्यवस्थाओं में अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर निदेशक डॉ. निर्मल्या बंद्योपाध्याय ने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों को प्रतिभा प्रदर्शन के साथ ही स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास की दिशा में ठोस कदम उठाने की प्रेरणा देते हैं।

## भारतीय किसान संघ 15 को देगा ज्ञापन

ग्वालियर। किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ 15 सितंबर को जिलाधीश को ज्ञापन सौंपेगा। किसान संघ के जिला प्रचार प्रमुख जंडेल सिंह गुर्जर ने बताया कि इस संबंध में कृषि विज्ञान केंद्र में बैठक आयोजित की गई। जिसमें मध्य प्रदेश के संगठन मंत्री महेश चौधरी, मध्य भारत प्रांत के संगठन मंत्री भारत पटेल ने बताया कि किसानों की समस्याओं को लेकर पूरे प्रदेश के सभी जिलों में 15 सितंबर को ज्ञापन दिया जाएगा। ज्ञापन देने से पहले पदाधिकारी और कार्यकर्ता गांवों में जाकर किसानों की समस्याएं लिखकर लाएं और उन्हें ज्ञापन में शामिल करें। साथ ही उन्होंने कहा कि गांवों में भगवान बलराम जी की जयंती मनाएं। बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भवानी शंकर शर्मा, प्रांतीय पशु आयाम प्रभारी भूपेंद्र सिंह गुर्जर, पुलंदर सिंह राणा, राजेंद्र सिंह, हाकिम सिंह राणा, वीरेंद्र शर्मा, राजेंद्र गुर्जर, रामाधार यादव, नंदकिशोर बघेल, कीरत सिंह राणा आदि उपस्थित रहे।

# सड़कें बनीं सुरंग, चेतकपुरी 14वीं बार धंसी, सिटी सेंटर में गहरा गड्ढा

ग्वालियर

शहर में लगातार बारिश के बाद सोमवार को एक बार फिर सड़कें निगलने लगीं। चेतकपुरी की सडक़, जो देशभर में पहले ही किरकिरी करा चुकी है, 14वीं बार धंसक गई। महल रोड ऑर्चिड टॉवर के सामने तीन से चार फीट गहरी सुरंग जैसा गड्ढा बन गया। यही नहीं सिटी सेंटर स्थित एसपी ऑफिस पटेल नगर और विनयनगर सेक्टर-3 की सड़कें भी धंसक गईं। एक ही दिन में तीन जगह सड़क धंसकने की घटनाओं से लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

लोगों का कहना है कि ग्वालियर अब धंसकती सड़कों का शहर बनता जा रहा है। अगर यही हाल रहा तो आने वाले वक्त में सड़कों पर वाहन चलाना नामुमकिन हो जाएगा। महल रोड ऑर्चिड टॉवर के सामने सोमवार को एक डंपर गुजरते ही सडक़ धंसक गई। इस बार सड़क पर तीन से चार फीट गहरी सुरंग बनी। यह वही चेतकपुरी रोड है जो अब तक 14 बार धंस चुकी है।

सिटी सेंटर में करीब दोपहर दो बजे अचानक सड़क धंस गई। दो दिन पहले यहां भारी जलभराव हुआ था। पानी के रिसाव से सड़क अंदर से खोखली हो गई और धंसकन की शिकार हो गई। विनयनगर सेक्टर-3 में ईंट से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली गुजर रही थी कि अचानक उसका पहिया सड़क में धंस गया। देखते ही देखते सडक़ पर बड़ा गड्ढा बन गया। निगम ने बैरिकेड्स तो लगा दिए लेकिन आशंका है कि गड्ढा और बड़ा हो सकता है।

## कंपू व मुरार से दो बाइक चोरी

ग्वालियर

शहर में सक्रिय बाइक चोरों ने एक ही दिन में अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दो मोटरसाइकिलें पार कर लीं। चोरी की वारदातें कंपू और मुरार थाना क्षेत्रों में हुईं, जहां पीड़ितों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पहली घटना कंपू क्षेत्र की है। रोहित सिसोदिया पुत्र जितेंद्र सिंह सिसोदिया, जो काली माता मंदिर सिकंदर कंपू में रहते हैं, अपनी बाइक एमपी 07 जेएफ-1952 से शाम के समय नेहरू पार्क घूमने पहुंचे। उन्होंने वाहन को पार्क के गेट के पास खड़ा किया और अंदर चले गए। करीब एक घंटे बाद लौटने पर उनकी बाइक वहां से गायब मिली। आसपास तलाश करने के बाद भी जब बाइक का कोई सुराग नहीं मिला तो रोहित सीधे कंपू थाने पहुंचे और पुलिस को चोरी की सूचना दी। इसी तरह दूसरी वारदात मुरार थाना क्षेत्र के आर्य नगर गली नम्बर 3 में हुई। यहां नरेश राणा ने अपनी बाइक एमपी 07 एनई-6736 घर के बाहर खड़ी की थी। नरेश घर के अंदर कुछ ही देर के लिए गए थे, लेकिन जब वापस लौटे तो बाइक गायब थी। गली के लोगों से पूछताछ के बावजूद वाहन का कोई पता नहीं चल सका। दोनों मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि वारदात स्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि चोरों की पहचान कर जल्द से जल्द गिरफ्तारी की जा सके।

## मॉडलिंग में मधु, मानवी और पूनम बनीं विजेता

ग्वालियर। महिला शक्ति मंच द्वारा 'मां का आंचल' कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को किया गया। जिसमें मॉडलिंग, सिंगिंग और डांसिंग प्रतियोगिताएं रखी गईं। मॉडलिंग में प्रथम विजेता मधु कुशवाहा, द्वितीय मानवी शर्मा और तृतीय स्थान पर पूनम कुमारी रहीं। स्पेशल प्राइस अश्विनी यादव, अंजलि रजनी और अश्वनी को दिया गया। अध्यक्षता तारा शाह ने की।

# जयारोग्य अस्पताल में नलों की टोटियां चोरी करते पकड़ा युवक

ग्वालियर

जयारोग्य अस्पताल समूह के हजार बिस्तर अस्पताल में लंबे समय से पानी की सप्लाई प्रभावित होने की शिकायतें मिल रही थीं। अस्पताल में लगातार नलों की टोटियां और छत पर लगे पानी चालू-बंद करने वाले बॉल्व चोरी हो रहे थे, जिससे मरीज और उनके परिजन भारी असुविधा झेल रहे थे। टोटी चोरी होने पर पानी बंद करना पड़ता था और बॉल्व चोरी होने से पूरी सप्लाई ठप हो जाती थी। इससे न तो मरीजों को पीने का पानी मिलता और न ही शौचालयों की सुविधा उपलब्ध हो पाती।

इस समस्या के समाधान के लिए सोमवार को वर्कशॉप प्रभारी अतर सिंह जाट ने अपनी टीम के साथ विशेष योजना बनाई। अस्पताल परिसर में नई स्टील की टोटियां लगाई गईं और कर्मचारियों को निगरानी पर तैनात किया गया। साथ ही, विशेष क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी गई।

इसी दौरान सीसीटीवी में एक युवक शौचालय के अंदर टोटियां खोलकर अपने लोअर में छिपाते हुए कैद हो गया। फुटेज देखते ही अतर सिंह ने टीम को अलर्ट किया और युवक को मौके पर ही पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम संदीप शर्मा पुत्र देवी प्रसाद निवासी ऊरवाई गेट विनय नगर सेक्टर-2 बताया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह अस्पताल से टोटियां और बॉल्व चोरी कर सराफा बाजार की दुकानों में बेच देता था।

अस्पताल प्रशासन ने आरोपी को तुरंत पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने संदीप से पूछताछ शुरू कर दी है और पता लगाया जा रहा है कि वह अब तक कितनी बार चोरी कर चुका है और क्या इस गिरोह में और कोई शामिल है।

# मेले से महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रकट करने का मिलता है अवसर

ग्वालियर

संत गजानन महाराज पुण्यतिथी उत्सव के अवसर पर भगिनी मंडल द्वारा महिला मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्वयं सिद्धा की अध्यक्ष डॉ. महिमा तारे रहीं। इस मौके पर महिलाओं द्वारा विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि आयोजित होने वाले इस तरह के मेलों से महिलाओं को अपनी प्रतिभा को प्रकट करने का अवसर मिलता है। इसके साथ ही महिलाओं को काम करने के लिए नए मंच भी उपलब्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के मेलों का आयोजन निरंतर होते रहना चाहिए और महिलाओं को इनमे अधिक सहभागिता दिखानी चाहिए। इस अवसर पर पूर्णिमा कुंटे, श्रद्धा गोडबोले, तृप्ति कल्याण, आशा राजापुरकर, मानसी लिमए आदि उपस्थित रहे। संचालन माया भेलसेवाले ने किया।

### सलाद में प्राची और रंगोली में ऊर्जा प्रथम

इस मौके पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें सलाद डेकोरेशन में प्रथम प्राची खेड़कर और द्वितीय ऊर्जा भालेराव रहीं। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ऊर्जा भालेराव और द्वितीय स्थान प्राची खेड़कर रहीं। निर्णायक मंडल में शुभदा पोतनीस, तृप्ती बेहरे, आभा दाणेकर रहीं। कार्यक्रम में स्वयं सिद्धा और महाराष्ट्र समाज की बहनों द्वारा सामूहिक नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी।

# पुरखों के लिए चंबल एक्सप्रेस में करा रहे हैं आरक्षण

ग्वालियर

पितृ पक्ष में पुरखों को गया जी ले जाने के लिए जहां लोग श्रद्धा भाव से उनका तर्पण कर पिंडदान कर रहे हैं। वहीं पुरखों को पिंडदान के लिए गया ले जाने वाले लोग अपने पूर्वजों के लिए बाकायदा ट्रेनों में सीट भी आरक्षित करा रहे हैं। यह सीट भले ही खाली रहती है। लेकिन लोगों की आत्मा को शांति मिलती है कि उनके पुरखे उनके साथ गया जा रहे हैं। पुरखों के रूप में जो थैली में मिट्टी, नरियल, पुष्प जैसी सामग्री को अपने साथ ले जाते हैं और इस थैली को सम्मान के साथ आरक्षित सीट पर रख दिया जाता है। 15 दिनों के श्राद्धकर्म में लोग गया में स्थित पिंडवेदियों पर पिंडदान करते थे। पिंडदानी अपने-अपने पंडा के घर में रहकर एक, तीन, सात, 15 एवं 17 दिन तक पिंडदान करते थे। ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि पुरोहित के घरों पर सादगी के साथ रहते थे। लाचारी होने पर ही पिंडदानी धर्मशाला में रहते थे। साथ ही एक समय का भोजन करते थे। पूरे दिन उपवास रहकर विधि पूर्वक पिंडदान करते थे। कर्मकांड समाप्त होने के बाद गयापाल पुरोहित से सुफल यानि आशीर्वाद लेकर घर लौटते थे। घर में

प्रवेश करने से पहले मंदिर में भगवान का दर्शन करते थे। उसके बाद घर प्रवेश करते थे। साथ ही भंडारा का भी आयोजन होता था।

### पहले पितृ का होता है आरक्षण

आरक्षण करने से वे अपने पूर्वजों के प्रति आस्था दिखाते हैं। सबसे पहले पितृ का ट्रेन में आरक्षण कराया जाता है। वहीं बाकि के सदस्यों का टिकट बाद में कराया जाता है। पूरे रास्ते पितृ को बर्थ पर लिटाकर लाया जाता है। एक सामान्य यात्री की तरह टीटीई उनके टिकट चेक करते हैं। जो सदस्य पितृदंड के साथ यात्रा करते हैं वो दो-दो घण्टे बारी-बारी पहरा भी देते हैं। उनका ख्याल वैसे ही रखा जाता है जैसे एक बच्चे की सेवा की जाती है। पूरी सावधानी वे घर के सदस्य यहां अपने पूर्वजों को गया ले जाते है और उनका पिंडदान करते हैं।

## स्वामी विद्याभारती नेत्र बैंक अंधत्व निवारण की मिसाल

ग्वालियर। रतन ज्योति नेत्रालय के अधीन संचालित स्वामी विद्याभारती नेत्र बैंक ने 2008 से अब तक मध्यप्रदेश और मध्यभारत में कॉर्नियल अंधत्व निवारण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। यह नेत्र बैंक आई बैंक एसोसिएशन ऑफ इंडिया का लाइफ टाइम सदस्य है और ह्यूमन आर्गन ट्रांसप्लांटेशन एक्ट के तहत पंजीकृत है। चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. पुरेंद्र भसीन और मेडिकल डायरेक्टर डॉ. प्रियाम्वदा भसीन के मार्गदर्शन में हेड, कॉर्निया सर्विसेज डॉ. प्रवीन धनपाल, आई बैंक मैनेजर ओ.पी. पाण्डेय के मार्गदर्शन में अब तक 1000 से अधिक सफल केराटोप्लास्टी हो चुकी हैं। इसके चलते मरीजों को दिल्ली या चेन्नई जैसे महानगरों के बजाय ग्वालियर में ही विश्वस्तरीय नेत्र चिकित्सा मिल रही है। हर वर्ष 25 अगस्त से 8 सितम्बर तक नेत्रदान पखवाड़ा मनाकर समाज में जागरूकता फैलाई जाती है। नेत्र बैंक ने हैदराबाद, जयपुर, इंदौर और दिल्ली के प्रतिष्ठित आई बैंकों के साथ सहयोग कर सेवाओं को और बेहतर बनाया है। नेत्र बैंक ने अपील की है कि लोग नेत्रदान को अपनाएं, जिससे मृत्यु के बाद भी किसी जरूरतमंद को रोशनी मिल सके।

# यातायात नियमों को तोड़ने वालों पर शिकंजा

ग्वालियर

सड़क पर नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर अब यातायात पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है। पुलिस महानिदेशक के निर्देशन में शुरू हुए 15 दिवसीय विशेष अभियान के पहले ही दिन पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई कर 162 चालकों के चालान बनाए और 73 हजार 600 का जुर्माना वसूला। बिना हेलमेट, बिना सीटबेल्ट, ओवरस्पीड और मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाने वालों को पुलिस ने सरेआम रोका और चालान ठोके।

यह अभियान पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, एएसपी सुमन गुर्जर और डीएसपी ट्रैफिक अजीत सिंह चौहान के निर्देशन में चलाया जा रहा है। चेकिंग के दौरान थाना यातायात प्रभारी कृष्णपाल तोमर, कंपू प्रभारी धनंजय शर्मा और अन्य अधिकारी व जवान मौजूद रहे। पुलिस ने चेतावनी दी है कि सड़क पर लापरवाही करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। ओवरस्पीड, बिना हेलमेट, बिना सीटबेल्ट या नशे की हालत में वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

### 162 वाहन चालकों से वसूला 73 हजार 600 जुर्माना

### हेलमेट-सीटबेल्ट वालों पर सबसे ज्यादा गाज

चेकिंग में सबसे ज्यादा कार्रवाई बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर हुई। 87 चालकों को पकड़कर पुलिस ने 26 हजार 100 का जुर्माना वसूला। वहीं 27 चालकों को बिना सीटबेल्ट के गाड़ी चलाने पर पकड़ा गया और उनसे 13 हजार 500 वसूले गए।

### बिना लाइसेंस-परमिट और फिटनेस वाले भी निशाने पर

कार्रवाई में 2 चालकों को बिना लाइसेंस गाड़ी चलाते पकड़ा गया, जिन पर 2 हजार का जुर्माना लगाया गया। 2 वाहन बिना परमिट और 1 वाहन बिना फिटनेस के पकड़ा गया, इन पर कुल 6 हजार का जुर्माना ठोका गया।

### नाबालिग और मोबाइल वाले भी नहीं बचे

चालकों में 1 नाबालिग पकड़ा गया, जिससे 1 हजार का जुर्माना वसूला गया। मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाने वाले 4 चालकों से 4 हजार वसूले गए। यही नहीं, गलत दिशा (रॉन्ग साइड) से वाहन दौड़ाने वाले 27 चालकों पर 13 हजार 500 का जुर्माना ठोका गया।

# प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा चलाएगी भाजपा

ग्वालियर

भारतीय जनता पार्टी महानगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा चलाएगी। सेवा पखवाड़ा की तैयारी के लिए सोमवार को भाजपा कार्यालय मुखर्जी भवन में जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। सेवा पखवाड़ा कार्यक्रमों के जरिए हर वर्ग तक पहुंचने का लक्ष्य है।

भाजपा शहर जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने जिला कार्यशाला में कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से

महात्मा गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा के रूप में जनसेवा का संकल्प लिया है। यह पखवाड़ा उस नेतृत्व को समर्पित है, जिसने भारत को वैश्विक मंच पर सम्मान दिलाया है। सभी को अपने-अपने मंडलों और बूथ स्तर पर जनता के बीच जाकर यह संदेश पहुंचाना है। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर घर-घर जाना हैं। 10 सितंबर को महानगर के सभी 17 मंडलों में कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 17 से 24 सितंबर तक स्वास्थ्य शिविर, 18 सितंबर से 2 अक्टूबर तक रक्तदान शिविर व प्रदर्शनी, 19 -20 सिंतबर को प्रबुद्धजन सम्मेलन और 21 से 25 सिंतबर तक खेल प्रतियोगिताएं एवं प्रदेश के महानगरों में नमो मैराथन का आयोजन किया जाएगा। 25 सितंबर को पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनकी प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित होंगे। 27 और 28 सिंतबर को दिव्यांग और विशिष्टजनों का सम्मान किया जाएगा। महामंत्री एवं सेवा पखवाड़ा के संयोजक विनय जैन ने सेवा पखवाड़ा को लेकर विस्तार से जानकारी दी। संचालन रेशू राजावत एवं आभार धारा सिंह सेंगर ने व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्षद्वय अभय चौधरी, कमल माखीजानी, विनोद शर्मा, राजू पलैया, बिरजू शिवहरे के अलावा कार्यशाला में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिला पदाधिकारी, मोर्चों के जिलाध्यक्ष एवं महामंत्री, प्रकोष्ठों के जिला संयोजक, सेवा पखवाड़ा मंडल की टीम, मंडल अध्यक्ष मौजूद रहे।

# कांग्रेस ने मुरार में निकाली वोट अधिकार यात्रा

ग्वालियर

कांग्रेस ने सोमवार को मुरार के विभिन्न बाजारों से वोट अधिकार यात्रा निकाली। जिसमें शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव, पूर्व मंत्री बालेंदु शुक्ला, प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा, विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार, साहब सिंह गुर्जर प्रमुख रूप से शामिल रहे। यात्रा में कांग्रेस नेता वोट नारो की तख्तियां लेकर द्वारिकाधीश मंदिर, थाठीपुर से अग्रसेन चौराहा मुरार पहुंचे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री यादव ने कहा कि हम सब वोट अधिकार यात्रा के अंतर्गत

एकजुट होकर लोकतंत्र की असली ताकत जनता का वोट की रक्षा करने निकले हैं। यह यात्रा सिर्फ एक रैली नहीं है, यह यात्रा हर उस गरीब, किसान, मजदूर, नौजवान और माताओं-बहनों की आवाज है, जिनका अधिकार लगातार छीना जा रहा है। यात्रा में पूर्व अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा, युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव मितेन्द्र दर्शन सिंह, सचिव हेवरन कंषाना, धर्मेन्द्र शर्मा, आर.पी. सिंह, महाराज सिंह पटेल, चतुर्भुज धनोलिया, मंगल सिंह यादव, सीमा समाधिया, सुधीर मंडेलिया, लतीफ खां मल्लू, मीनू परिहार, कुलदीप कौरव, अशोक प्रेमी, बीना भारद्वाज, अवनीश गौड़ सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

# सम्पादकीय

## मोदी के नैतिक साहस पर सवाल

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति का समर्थन किया है। जेलेंस्की का कहना है कि भारत पर टैरिफ लगाकर ट्रंप ने बिल्कुल सही किया। ये वही जेलेंस्की है, जिनसे अभी 30 अगस्त को ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फोन पर वार्ता कर द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दिखाई थी। यह चर्चा श्री मोदी ने चीन में रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन से होने वाली भेंट से पहले की थी। शायद अब देश में कूटनीति की जगह मोदी नीति लागू हो गई है जिसमें दो दुश्मन देशों को एक साथ साधने के लिए एक बार इससे बात करो, फिर उससे बात करो। दोनों को यह अहसास कराओ कि हम ही आपके सगे हैं और आपके साथ खड़े हैं, जबकि असल में खुद हमें ही नहीं मालूम कि हम किसके साथ हैं और क्या चाहते हैं। याद करें इन्हीं नरेन्द्र मोदी ने पिछले साल अगस्त में यूक्रेन का दौरा कर वहां अहम समझौते सरकार के साथ किए थे। इस दौरान वे युद्ध में मारे गए बच्चों पर मल्टीमीडिया प्रदर्शनी देखने राष्ट्रीय संग्रहालय भी गए थे। मोदी-जेलेंस्की की एक तस्वीर काफी वायरल हुई थी, जिसमें जेलेंस्की के कंधे पर हाथ रखकर मोदी भावुक नजर आते हैं, मानो उनका दुख साझा कर रहे हों। ये और बात है कि इसके बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सामने बैठकर मोदी-जेलेंस्की मुलाकात की सफाई पेश करनी पड़ी थी। बेशक भारत किसी युद्ध का समर्थन नहीं करता, लेकिन रूस उसका परंपरागत मित्र रहा है और मोदी ने शायद रूस की नाराजगी की कीमत पर यूक्रेन दौरा किया था। हालांकि भारत से दशकों पुराने संबंध ध्यान रखते हुए रूस ने कोई बड़ा कदम नहीं उठाया। मगर अभी चीन में जिस तरह मोदी से मिलने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से पुतिन की मुलाकात हुई, वह अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में बदलते समीकरणों पर बड़ा संकेत हैं। अफसोस है कि नरेन्द्र मोदी इन संकेतों की लगातार अनदेखी कर रहे हैं। शायद अमेरिका को खुश करने के लिए नरेन्द्र मोदी ने जेलेंस्की के साथ नजदीकी दिखाई थी, लेकिन अब जेलेंस्की इस बात पर संतोष जता रहे हैं कि भारत पर अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। पाठक जानते हैं कि इसमें 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ तो केवल इस बात के लिए ही लगाया गया है कि भारत रूस से तेल खरीद रहा है। अमेरिका हर तरह से दबाव डाल रहा है कि किसी भी तरह भारत रूस से तेल का व्यापार बंद करे। यह साफ-साफ हमारी संप्रभुता पर आक्रमण है, लेकिन नरेन्द्र मोदी इस हमले से अविचलित हैं। ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो लगातार भारत पर आग उगल रहे हैं। बीते दिनों नवारो ने यहां तक कह दिया था कि यूक्रेन में रूस नहीं भारत लड़ रहा है। अब ट्रंप सरकार के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों के खिलाफ और सख्ती की अपील की है। इसमें यूरोपीय यूनियन को साथ लाया जा रहा है। बेसेंट के बयान से ऐसा लग रहा है कि अमेरिका एक बार फिर से भारत पर और दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। पिछले हफ्ते शुक्रवार को यूरोपियन काउंसिल के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा ने कहा था कि यूरोपियन यूनियन वॉशिंगटन में एक प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है, जो रूस के खिलाफ और कड़े प्रतिबंधों पर बात करेगा। मतलब अमेरिका के बाद यूरोपीय यूनियन में भारत विरोधी माहौल बन रहा है। इधर शुक्रवार को ही अमेरिका के वाणिज्य मंत्री होवार्ड लुटनिक ने कहा है कि, एक या दो महीने में भारत बातचीत की टेबल पर आएगा और क्षमा याचना करेगा। भारत ट्रंप के साथ समझौता करने की कोशिश करेगा। इसके बाद ट्रंप तय करेंगे कि मोदी के साथ कैसे डील करना है। इन सिलसिलेवार बयानों से जाहिर हो रहा है कि ट्रंप सरकार में लगातार भारत की अवहेलना हो रही है। खुद डोनाल्ड ट्रंप ने भी बीते दिनों व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग के साथ नरेन्द्र मोदी की मुलाकात पर कहा था कि भारत-रूस चीन की छाया में चले गए हैं। यह भी भारत के लिए अपमान ही है कि उसे साफ-साफ किसी खेमे में बताया जाए। व्यापार के साथ सरकार चलाने वाले डोनाल्ड ट्रंप अपना मुनाफा देखकर बयान देते हैं, ऐसे में नरेन्द्र मोदी को तय करना है कि उन्हें भी केवल अपने मित्र कारोबारियों का ख्याल रखना है या देश हित भी देखना है। क्योंकि तीन दिन पहले ट्रंप ने मोदी को महान नेता बताते हुए अपना मित्र बताया तो फौरन नरेन्द्र मोदी ने जवाब देकर आभार जता दिया। जबकि इससे पहले बीसीयों बार ट्रंप ने युद्धविराम या टैरिफ को लेकर भारत के साथ जो बेहूदगी दिखाई, उस पर मोदी ने फौरन पलटवार करने की जहमत नहीं उठाई। अब देखना है कि जेलेंस्की के बयान पर मोदी कोई जवाब देते हैं या नहीं। पिछले अनुभव तो यही बताते हैं कि मोदी इस बार भी चुप ही रहेंगे। कब, कहां, क्या बोलना है या चुप रहना है, यह मोदी का अधिकार क्षेत्र है, मगर फिर इसके बाद भारत के लोकतंत्र को महान बनाने के लिए अपनी पीठ उन्हें नहीं थपथपाना चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र व्यापारियों का, व्यापारियों के लिए, व्यापारियों द्वारा बनाई गई व्यवस्था नहीं है।

# भ्रष्टाचार रोकने वाला कानून हो पाएगा पास?

विपक्षी निशाने पर आया यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 75 में संशोधन करेगा, जो मुख्य रूप से प्रधानमंत्री सहित मंत्रिपरिषद की नियुक्ति और जिम्मेदारियों से संबंधित है। इस विधेयक में मंत्री के जेल से वापस आने के बाद को लेकर स्पष्टता तो नहीं है। संविधान का 130वां संशोधन विधेयक 2025 संसद के मानसून सत्र के दौरान 20 अगस्त दिन बुधवार को लोकसभा में जब पेश किया गया, तब सदन में अभूतपूर्व हंगामा दिखा। कह सकते हैं कि अराजक दृश्यों के बीच संक्षिप्त चर्चा के बाद इसे संसद की संयुक्त समिति को भेज दिया गया। अब इस विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति सुझाव मांगेगी और अपने संशोधनों के साथ सदन में भेजेगी। तब कहीं जाकर चर्चा होगी और विधेयक पास हो पाएगा। लेकिन जिस तरह विपक्ष इस विधेयक की राह में अड़ंगे डाल रहा है, उससे लगता नहीं कि संयुक्त समिति में भी इसे आसानी से वह आम राय बनाने देगा और भ्रष्टाचार के खात्मे की दिशा में मील का पत्थर माना जाने वाला यह विधेयक पास हो पाएगा। अव्वल तो होना यह चाहिए कि भ्रष्टाचार को रोकने, सर्वोच्च स्तर तक के लोगों को जवाबदेह बनाने वाले विधेयक पर पक्ष ही नहीं, विपक्ष को भी साथ होना चाहिए। लेकिन विपक्ष इस पर हंगामा मचाए हुए है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि इस विधेयक के प्रावधान क्या हैं। जिन पाठकों को संसद की संयुक्त समिति की जानकारी नहीं है, उनके लिए यह भी बताना जरूरी हो जाता है कि यह समिति आखिर है क्या और इसका क्या अधिकार है? इस संविधान संशोधन विधेयक में कहा गया है कि जो भी मंत्री, किसी गंभीर अपराध के लिए 30 दिनों तक जेल में रहेगा, वह अपना पद खो देगा। इस कानून के तहत 0कोई मंत्री, पद पर रहते हुए लगातार तीस दिनों की अवधि के दौरान, किसी ऐसे कानून के तहत किसी अपराध के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है या हिरासत में रखा जाता है, जिसके तहत पांच वर्ष या उससे अधिक जेल हो सकती है, उसे हिरासत में लिए जाने के इकतीसवें दिन तक मुख्यमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा उसे उसके पद से हटा दिया जाएगा। इस विधेयक में कहा गया है कि, यदि ऐसे मंत्री को हटाने के लिए मुख्यमंत्री की सलाह इकतीसवें दिन तक राष्ट्रपति को नहीं दी जाती है, तो वह उसके बाद खुद-ब-खुद मंत्री नहीं रह पाएगा। विपक्षी निशाने पर आया यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 75 में संशोधन करेगा, जो मुख्य रूप से प्रधानमंत्री सहित मंत्रिपरिषद की नियुक्ति और जिम्मेदारियों से संबंधित है। इस विधेयक में मंत्री के जेल से वापस आने के बाद को लेकर स्पष्टता तो नहीं है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि जब मंत्री जेल से रिहा हो जाएंगा तो क्या होगा? वैसे माना जा रहा है कि विधेयक के प्रावधानों के तहत, सैद्धांतिक रूप से यह संभव हो सकेगा कि संबंधित मंत्री जेल से बाहर आने के बाद पुनः नियुक्त किया जा सकृता है। इस विधेयक की उपधारा एक का प्रावधान कहता है कि कोई बात ऐसे मुख्यमंत्री या मंत्री को हिरासत से रिहा होने पर राष्ट्रपति द्वारा बाद में मुख्यमंत्री या मंत्री नियुक्त किए जाने से नहीं रोकेगी। विपक्ष



को लगता है कि केंद्र सरकार जानबूझकर विपक्षी मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को निशाना बनाने के लिए यह विधेयक लेकर आई है। वैसे माना जा रहा है कि शराब नीति घोटाले में जब अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया, तब भी उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। इसकेपहले तक होता रहा है कि जब किसी मंत्री या मुख्यमंत्री पर आरोप लगते हैं तो गिरफ्तारी के पहले ही वे इस्तीफा देते रही हैं। 1997 में चारा घोटाले में जब लगा कि लालू यादव की गिरफ्तारी हो जाएगी तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इसी तरह 2024 में जब झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेने को लगा कि वे गिरफ्तारी से नहीं बच पाएंगे तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया और इस्तीफा देते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया गया था। लेकिन केजरीवाल ने तब इस्तीफा दिया,जब उन्हें जेल में रहते किसी फाइल पर हस्ताक्षर करने या जमानत मिलने के बाद भी मुख्यमंत्री के दफ्तर ना जाने की शर्त सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। विपक्ष का तर्क है कि केंद्र सरकार अक्सर बदले की भावना के साथ काम करती है और उसके निर्देशन में काम करने वाला प्रवर्तन निदेशालय. आयकर विभाग और सीबीआई जब चाहे किसी भी मंत्री, मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर सकते हैं। गिरफ्तारी के बाद ये एजेंसियां ऐसे आरोप लगा सकती हैं. जिनके तहत उन्हें महीनों तक जमानत नहीं मिल सकती। तब इस विधेयक के जरिए किसी भी विपक्षी सरकार को गिराया जा सकता है। यही वजह है कि जब गृह मंत्री अमित शाह ने विधेयक पेश किया तो संसद में विपक्ष ने जोरदार विरोध किया। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने 2010 में सोहराबुद्दीन शेख मुठभेड़ मामले में गृह मंत्री की गिरफ़्तारी का मुद्दा उठाया। हालाँकि, शाह ने जवाब दिया कि गिरफ़्तारी से पहले ही उन्होंने गुजरात के गृह मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। अब जानते हैं कि संसद की संयुक्त समिति क्या है? संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी संसद द्वारा किसी विशेष उद्देश्य के लिए, जैसे किसी विषय या विधेयक की विस्तृत जाँच के लिए गठित की जाती है। इसमें दोनों सदनों के सदस्य होते हैं और इसका कार्यकाल समाप्त होने या इसका कार्य पूरा होने के बाद इसे भंग कर दिया जाता है। उदाहरण के लिए, संविधान के 130वां संशोधन विधेयक, 2025 को विपक्षी हंगामे और मांग के बाद लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति द्वारा चुने गए 31 सदस्यों वाली एक संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया है। वैसे तो समिति से रिपोर्ट हासिल करने की कोई मियाद तय नहीं है,लेकिन गृहमंत्री अमित शाह ने मांग की है कि समिति संसद के अगले यानी शीत सत्र के पहले दिन से पहले ही अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दे। संसदीय नियमों के अनुसार, जेपीसी का कार्यक्षेत्र उसके गठन के प्रस्ताव पर निर्भर करता है। हालाँकि इसकी सिफारिशें प्रभावशाली होती हैं, लेकिन वे सरकार पर बाध्यकारी नहीं होतीं। इस बीच बीजेपी ने 25 अगस्त, 2025 को विपक्षी हंगामे के खिलाफ कड़ा बयान दिया। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाया गया 130 वां संविधान संशोधन विधेयक राजनीति में नैतिकता और सुशासन को मजबूत करेगा और भ्रष्टाचार और अपराधीकरण को खत्म करने के लिए एक प्रभावी हथियार के रूप में काम करेगा। बीजेपी ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाते हुए कहा कि जहां एक ओर समूचा राष्ट्र इस पहल का स्वागत कर रहा है, वहीं कांग्रेस और आम आदमी पार्टी जैसे दल केवल भ्रष्टाचार को बचाने के लिए इसका विरोध कर रहे हैं। बीजेपी विपक्ष को बहिष्कार ब्रिगेड बताते हुए यह भी कहने से नहीं हिचकी कि विपक्ष यानी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की लोकतंत्र में नहीं, अपने परिवार और सत्ता की रक्षा में ही दिलचस्पी है। बीजेपी का मानना है कि कि यह विधेयक सुशासन की सबसे बड़ी बाधाओं - भ्रष्टाचार और अपराध - को दूर करने के लिए संसद में पेश किया गया है। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत कानून के सामने सबको बराबर का दर्जा हासिल है। फिर भी हकीकत यह है कि अगर कोई सरकारी कर्मचारी दो दिन भी जेल में रहा, तो उसे सेवा नियमों के तहत स्वतः ही निलंबित कर दिया जाता है। जबकि महत्वपूर्ण राजनीतिक पदों पर बैठे लोगों पर यह प्रावधान नहीं लागू होते। बीजेपी का तर्क है कि प्रस्तावित कानून के दायरे में मंत्री,मुख्यमंत्री ही नहीं, प्रधानमंत्री भी आएंगे। बीजेपी का कहना है कि सामाजिक न्याय और समानता का पाठ पढ़ाने वाले दलों के लोग चाहते हैं कि उच्च पदों पर बैठे मंत्री या मुख्यमंत्री सलाखों के पीछे से सरकार चलाएँ। बीजेपी का तंज है कि यह समानता और सामाजिक न्याय का उपहास है।वैसे ध्यान रखना होगा कि लिली थॉमस मामले के बाद नियम बनाया गया कि अगर किसी सांसद को दो साल से ज्यादा की सजा होती है, तो उसकी सदस्यता स्वतः समाप्त हो जाएगी। बीजेपी का तर्क है कि उसकी सरकार एक तरह से इसी नियम को सार्वजनिक जीवन में शुचिता के लिए और आगे बढ़ा रही है। जिसका विपक्ष विरोध कर रहा है। भारतीय समाज में भ्रष्टाचार गहरे तक जड़ें जमा चुका है। राजनीति का आज दूसरा अर्थ ही भ्रष्टाचार हो गया है। पड़ोसी चीन जैसे देश में भ्रष्टाचार की सजा मौत तक है।

# अग्नि परीक्षा क्या सिर्फ महिलाओं के लिए

संजीव ठाकुर

अफगानिस्तान में आए भूकंप के पश्चात सहायता दल में शामिल पुरुषों के हाथ वहां भूकंप के मलबों में दबी महिलाओं को तालिबानी शासन के कड़े प्रतिबंधों और नियमों के कारण सहायता नहीं पहुंचा पाए और महिलाओं ने उन मलबों में दब कर के प्राण त्याग दिए। अफगानिस्तान के तालिबानी शासन में परिवार से अलग हटकर किसी भी महिला को छूने या हाथ लगाने में प्रतिबंध है। यदि किसी ने इसका उल्लंघन किया तो वह सजा का पात्र होगा। यही कारण है कि वहां सहायता दलों में आए पुरुष भूकंप की तबाही में इमारत के मलबों में दबी महिलाओं की सहायता नहीं कर पाए और न जाने कितनी महिलाएं अपनी जान गवा बैठी। ये मलबो में दबी हुई स्त्रियां पास पड़ोस के गांव शहर से सहायता के लिए महिलाओं का इंतजार करते हुए काल कवलित हो गईं। यह अफगानिस्तान में तालिबानी शासको का स्त्रियों के प्रति अत्यंत बराबर कानून है वहां न जाने और कितने कड़े कानून महिलाओं पर प्रतिरोपित हैं। यह स्त्रियों के प्रति पुरुषों का निर्दयता पूर्वक आचरण एवं व्यवहार है। आदिकाल से लेकर अब वैज्ञानिक युग तक महिलाओं को ही अग्नि परीक्षा देनी पड़ती आई है। महिलाओं के उत्पीड़न और उन पर अत्याचार की न जाने कितनी घटनाएं रोज पूरे देश में पूरे विश्व में हो रही है। भारत में ही ले लीजिए इसके सैकड़ो उदाहरण आपको अखबारों के माध्यम से मिल जाएंगे। हाय, कोलकोता की बेटी मौमिता हम सचमुच शर्मिंदा हैं,हम तुम्हारी रक्षा-सुरक्षा नहीं कर पाए।अभया,निर्भया, मोमिता न जाने कितनी अबोध निर्बल बच्चियों अत्याचार की शिकार होती रहेगी और हमारा सभ्य पुरुष समाज कैंडल जलाकर सड़कों पर प्रदर्शन कर न्याय की गुहार लगाता रह जाएगा । पुरुष अत्याचार की शिकार बेटियों हम तुम्हारी आत्मा से क्षमा प्रार्थी हैं। स्त्रियों पर पुरुषों के अत्याचार और उनकी सुरक्षा का यक्ष प्रश्न हमारे सामने खड़ा हुआ है। क्या हम उनकी कभी सुरक्षा नहीं कर पाएंगे क्या यूं ही देश में स्त्रियों पर अनवरत अत्याचार होते रहेंगे? देश में शहरों और गांवों में नारियों पर हो रहे अत्याचारों की खबरें मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख देती है। आसपास और पास पास इतनी दिल दहला देने वाली घटनाएं प्रकाश में आती हैं की मानवता केवल आंसू बहा कर रह जाती है। क्या इतना बड़ा सशक्त पुरुषों का समाज इसे रोकने में सक्षम नहीं है। देश में यह यक्ष प्रश्न की तरह हम सबके सामने खड़ा है। भारत में गरीब तबके में महिलाओं की स्थिति अभी भी दयनीय है मजदूरी करने से लेकर घरों में झाड़ू पोछा बर्तन मांजने तक औरत अपनी आजीविका चलाने के लिए मजबूर है। नारी उत्पीड़न की शुरूआत यहीं से होती है ।भारत में नारी अभी भी बहुत उपेक्षित प्रताड़ित तथा उत्पीड़ित है। हजारों उत्पीड़न तथा प्रताड़ना की घटनाएं प्रकाश में ही नहीं आ पाती हैं, और हम नारी दिवस पर जोर जोर से नारी उत्थान की दलीलें देते फिरते हैं। यह अत्यंत पीड़ा दायक तथा विचारणीय है।स्त्री जागरण के परिपेक्ष में भारत में नई स्त्री की संकल्पना उभरती है। भारत की स्त्री जागरण स्थितियों में पश्चिम नारीवाद का सर्वाधिक प्रभाव दिखाई देता है, इसमें बुनियादी नारी अधिकारों के जरिए सशक्तिकरण की बात की गई है। भारत में नारी उत्थान और समानता का संकल्प एवं विमर्श मूलतः मध्यम वर्गीय, शहरी और अभिजात्य इसमें स्त्रियों के बुनियादी अधिकार शिक्षा रोजगार आर्थिक स्वतंत्रता की बात का जोर शोर से जिक्र किया गया है। गांव की स्त्रियों पर घरेलू हिंसा तथा कस्बाई स्त्रियों के शोषण की समस्याएं बहुत बड़ी हैं। इसके अलावा भारत की परंपरागत विशेषताएं हैं जो भारतीय जनमानस में इस तरह घुली मिली हैं कि यकायक दलित स्त्री को सबला या सर्व शक्तिमान मानना पुरुष समाज को स्वीकार्य नहीं होगा। भारतीय स्त्री पति को परमेश्वर एवं मातृत्व के दायित्व को निभाने वाली एक अबला स्त्री ही है। पिता, भाई तथा पति के संरक्षण में पलने, बढ़ने के बाद उनके अधिकारों से परे जाने में अभी भी सक्षम नहीं हुई है। जबकि यूरोपीय देशों का नारीवाद एवं नारी सशक्तिकरण एक अलग दृष्टि तथा नई दिशा को दशार्ता है। भारत की नारी अपनी ष्स्त्रीष्होने के दायित्व को यकायक ठुकरा कर उसकी बेड़ियों से बाहर नहीं निकल सकती। भारतीय समाज अभी भी स्त्रियों को मान्य रुप से बराबरी का दर्जा नहीं दे पाया है। वह अभी भी स्त्री को अबला एवं विज्ञापन का एक अच्छा जरिया मानता है, स्त्रियों को आज भी पुरुष विहीन समाज किसी भी तरह ग्रा एवं मान्य नहीं है। भारतीय संदर्भ में नई स्त्री की कल्पना वास्तव में महिलाओं के लिए एक मिथक तथा मृग मरीचिका के रूप में है। स्त्री उत्थान विमर्श के लिए यह समझना अत्यंत आवश्यक होगा की हर समाज की अपनी वैचारिक विशेषता, संस्कृति एवं सीमाएं होती हैं। नारी सशक्तिकरण की जितनी भी अवधारणाएं और नियम कानून बने हैं, वह सब पश्चिम से अनुसरण करके बनाए गए हैं, ऐसे में भारतीय दलित स्त्री की वैचारिकी क्या हो सकती है, इसकी संकल्पना भारतीय नारी ही कर सकती है। भारत की नई स्त्री वह होगी जो अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो एवं स्वतंत्रत विचारों के अधिकार से अच्छी तरह वाकिफ एवं जानकार हो। कस्बाई तथा झोपड़पट्टी में रहने वाली स्त्रियों को जहां भारत में शिक्षा का अभाव है, ऐसे में उनके लिए जागरूकता लाना अभी भी एक टेढ़ी खीर तथा एक बड़े अभियान चलाने जैसी बात होगी। भारत में जहां 35ः स्त्रियां साक्षर नहीं है, ऐसे में नई स्त्री की परिकल्पना केवल पश्चिमी देशों में ही की जा सकती है।

# पंजाब में भीषण बाढ़ के संभावित कारण तथा सिंधु जल विवाद से कोई संबंध

एस आर दारापुरी

उत्तरी भारत और पूर्वी पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में फैला एक उपजाऊ क्षेत्र, पंजाब, अपनी भौगोलिक स्थिति, नदी प्रणालियों और मौसमी मौसम के कारण मानवीय कारकों को ध्यान में रखते हुए, हाल के और ऐतिहासिक पैटर्न के आधार पर प्रमुख कारणों की रूपरेखा प्रस्तुत करूँगा। तीव्र और लंबे समय तक चलने वाली मानसूनी वर्षा पंजाब में बाढ़ का



बाढ़ के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। यह क्षेत्र सिंधु बेसिन की प्रमुख नदियों, जिनमें सतलुज, व्यास, रावी, चिनाब और झेलम शामिल हैं, से घिरा हुआ है, जिनका उद्गम हिमालय से होता है और मानसून के मौसम (आमतौर पर जून से सितंबर) के दौरान भारी मात्रा में पानी लाती हैं। इस क्षेत्र में बाढ़ भारतीय पंजाब और पाकिस्तानी पंजाब, दोनों को प्रभावित कर सकती है, अक्सर एक साथ, जैसा कि 2025 की विनाशकारी बाढ़ में देखा गया था जिसने सीमा पार लाखों लोगों को प्रभावित किया था। नीचे, मैं पर्यावरणीय, जलवायु और मुख्य कारण है। 2025 में, उत्तरी भारत और पाकिस्तान में दशकों की सबसे भारी बारिश हुई, और पंजाब में अकेले अगस्त में औसत से 74ः अधिक बारिश हुई। इसके कारण सतलुज, व्यास, रावी और घग्गर जैसी नदियाँ तेजी से उफान पर आ गईं, जिससे विशाल कृषि भूमि और गाँव जलमग्न हो गए। हिमालयी राज्यों,क्षेत्रों (जैसे, भारत में हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, या उत्तरी पाकिस्तान) में ऊपरी धाराओं में होने वाली वर्षा पंजाब के समतल मैदानों में निचले धाराओं में बाढ़ को बढ़ा देती है, जहाँ पानी की निकासी के लिए कोई जगह नहीं होती। जलवायु परिवर्तन ने इन घटनाओं को और तीव्र कर दिया है, जिससे मानसून अधिक अनिश्चित और घातक हो गया है। अध्ययनों से संकेत मिलता है कि ग्लोबल वार्मिंग भारी बारिश की संभावना को बढ़ा देती है, जिससे इस क्षेत्र में भूस्खलन और अचानक बाढ़ आने की संभावना बढ़ जाती है। पंजाब की नदियाँ अक्सर गाद जमाव (नदी की क्षमता को कम करने वाली तलछट का जमाव), तटबंधों में दरार, या अत्यधिक बारिश के दौरान ऊपरी धाराओं के बाँधों से अचानक पानी छोड़े जाने के कारण उफान पर आ जाती हैं। उदाहरण के लिए, 2025 में, भारत में पोंग और भाखड़ा जैसे बांधों से नियंत्रित जल-त्याग ने भारतीय पंजाब में निचले इलाकों में जलप्लावन को बढ़ावा दिया। पाकिस्तान के पंजाब में भी इसी तरह की समस्याएँ उत्पन्न होती हैं, जहाँ दबाव के कारण बैराज और नहरें टूट जाती हैं, जैसा कि रावी नदी द्वारा लाहौर जैसे शहरी इलाकों में बाढ़ आने पर देखा गया। 2022 जैसी ऐतिहासिक बाढ़ें, अपर्याप्त बाढ़ अवरोधों और पूर्व चेतावनी प्रणालियों को उजागर करती हैं। पंजाब में समतल स्थलाकृति एक प्राकृतिक सिंक के रूप में कार्य करती है, जहाँ पानी आसानी से जमा हो जाता है, जिससे बाढ़ लंबी हो जाती है और व्यापक फसल क्षति होती है (उदाहरण के लिए, 2025 में भारतीय पंजाब में 175,000 एकड़ से अधिक भूमि जलमग्न हो गई)। शहरीकरण, वनों की कटाई और नदी तटों पर अतिक्रमण प्राकृतिक अवशोषण को कम करते हैं और बाढ़ के मैदानों को संकरा करते हैं, जिससे अपवाह बिगड़ता है। दोनों पंजाबों में, नदियों के किनारे अवैध निमार्णों ने जल निकासी चौनलों को अवरुद्ध कर दिया है। कृषि पद्धतियाँ, जिनमें अत्यधिक सिंचाई और खराब भूमि प्रबंधन शामिल हैं, मृदा अपरदन और जल धारण क्षमता में कमी लाती हैं। अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा, जैसे पुरानी जल निकासी प्रणालियाँ और निकासी में देरी, प्रभावों को और बढ़ा देती हैकृकेवल 2025 में ही पाकिस्तान के पंजाब में लगभग 10 लाख लोगों को निकाला गया। ये कारण आपस में जुड़े हुए हैं, और जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक और मानव-जनित कमजोरियों को बढ़ाने में सहायक है। 1960 में हस्ताक्षरित और विश्व बैंक द्वारा मध्यस्थता की गई सिंधु जल संधि (ष्ज्), सिंधु नदी प्रणाली के जल को भारत (पूर्वी नदियोंरू सतलुज, व्यास, रावी पर नियंत्रण) और पाकिस्तान (पश्चिमी नदियाँरू सिंधु, झेलम, चिनाब) के बीच आवंटित करती है। इसे संघर्षों को रोकने के लिए डिजाइन किया गया था, जिसमें भारत द्वारा ऊपरी जल प्रवाह में हेरफेर करके पाकिस्तान में बाढ़ या सूखा पैदा करने की क्षमता भी शामिल है।

# दु:खी युवा पीढ़ी

दशकों मान्यता रही है कि समाज का मिडल ऐज ग्रुप दुरूखी व तनाव में और युवा व बुजुर्ग प्रसन्न रहते हैं। लेकिन हालिया प्रकाशित एक अध्ययन ने बताया कि दुरूख की शुरूआत अब युवा अवस्था में हो रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, एशिया, अफ्रीका समेत मध्यपूर्व के 44 देशों में यह ट्रेंड देखा गया है। जिसमें भविष्य की अनिश्चितता व कार्य परिस्थितियों का दबाव तो है मगर बड़ा कारक सोशल मीडिया बताया जा रहा है। दरअसल, लगातार सोशल मीडिया से जुड़े रहने और यथार्थ से दूर रहने के कारण युवा जीवन की वास्तविक स्थितियों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। आभासी मीडिया उन्हें बड़े-बड़े सपने तो दिखाता है, लेकिन जीवन की कठोर सच्चाई से अवगत नहीं कराता है। यही वजह है कि जहां पहले मिड ऐज ग्रुप यानी 40 से 50 आयु वर्ग दुखी माना जाता था, उसके स्थान पर दुरूख की शुरूआत अब युवा उम्र से ही होने लगी है। हालिया, ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट के आंकड़ों में, अफ्रीका, यूरोप, लैटिन अमेरिका, एशिया, अमेरिका व मिडल ईस्ट के 44 देशों का अध्ययन बताता है कि बुजुर्गों की तुलना में युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य ज्यादा खराब है। वेब आधारित इस सर्वे में पर्याप्त डेटा जुटाया गया था। जो बताता है कि यह ट्रेंड केवल विकसित देशों में ही नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर है। आंकड़े बताते हैं कि हर नई पीढ़ी अब पहली के मुकाबले ज्यादा तनाव में है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका व ब्रिटेन में किए गए एक अन्य सर्वे में कम पढ़े-लिखे युवा कर्मियों में अवसाद ज्यादा पाया गया है। पहले मान्यता रही है कि नौकरीपेशा लोगों में नौकरी मिलने के बाद तनाव कम होता है,लेकिन आज हकीकत ठीक इसके विपरीत है। ब्रिटेन के एक सर्वे में कहा गया है कि साल 2016 के बाद चालीस से कम उम्र के युवाओं में चिंता व अवसाद पहले के मुकाबले ज्यादा हो गया है। वैसे यह भी हकीकत है कि जिन देशों में रोजगार की स्थिति बेहतर है,वहां मानसिक सेहत में सुधार हुआ है। दरअसल, तमाम अध्ययन बता रहे हैं कि सोशल मीडिया में लगातार सक्रियता युवाओं को वास्तविक सामाजिक जीवन से दूर कर रही है। वे कृत्रिम जीवन में जी रहे हैं। जब हम समाज व मित्रों के बीच सक्रिय रहते हैं तो बातचीत से तनाव मुक्त रह सकते हैं। देर रात तक सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने से युवाओं का नींद का चक्र बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। आभासी मित्रता के बजाय आमने-सामने की बातचीत सेहत के लिये ज्यादा लाभकारी होती है। यह जीवन की हकीकत है कि हमारे जीवन में योगदान देने वालों के प्रति यदि हम कृतज्ञता का भाव रखते हैं तो हमारा जीवन- व्यवहार सहज हो जाता है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि हम जिन चीजों के प्रति कृतज्ञ हैं, उनके बारे में लिखने से हमारा नजरिया बदलता है। हमारा मानसिक स्वास्थ्य इस बात पर निर्भर करता है कि हमारी दिनचर्या कितनी अनुशासित व संतुलित है। रात को जल्दी सो जाने और सूर्योदय के साथ उठने से हम दिनभर प्रफुल्लित रह सकते हैं। विडंबना यह भी कि सोशल मीडिया पर आधुनिक जीवन की जो चमक-दमक दिखायी जाती है,युवा उसको पाने की आकांक्षा करने लगते हैं। लेकिन जीवन का यथार्थ कठोर है। निस्संदेह, वैज्ञानिक उन्नति व तकनीकी विकास से पूरी दुनिया में रोजगार के अवसरों का संकुचन हुआ है। श्रम आधारित उद्योगों के बजाय कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले उद्योगों के बढ़ने से यह स्थिति पैदा हुई है। साथ ही नौकरियों में अस्थिरता व असुरक्षा के चलते भविष्य को लेकर जो अनिश्चितता पैदा होती है, उससे युवाओं में तनाव की वृद्धि होती है। भौतिकवादी नजरिये के चलते आज के युवा जिस जीवनशैली की आकांक्षा रखते हैं, वह पूरी न होने पर भी वे डिप्रेशन के शिकार बन जाते हैं। युवाओं को जीवन के कठोर यथार्थ से जूझने का संबल देना वक्त की जरूरत है। असीमित आकांक्षाओं व जीवन के यथार्थ में साम्य स्थापित करना तमाम समस्याओं का समाधान देता है।

## टोनाली ने विश्व कप क्वालिफाइंग मैच में इटली को दिलाई जीत, इस्त्राइल को दी शिकस्त

इटली ने अगले साल उत्तरी अमेरिका में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। सैंड्रो टोनाली के इंजरी टाइम में किए गए गोल की मदद से इटली ने यूरोपीय फुटबॉल विश्व कप क्वालीफाइंग में सोमवार को इस्त्राइल के खिलाफ नौ गोल वाले रोमांचक मुकाबले में 5-4 से जीत हासिल की। इस तरह से इटली ने अगले साल उत्तरी अमेरिका में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। जून में नॉर्वे से 3-0 की हार के बाद इटली का क्वालिफिकेशन अभियान मुश्किल में पड़ गया था। उसकी मुश्किल तब और बढ़ गई थी जब तटस्थ स्थल हंगरी में खेले गए मैच में इस्त्राइल ने दो गोल की बढ़त हासिल कर ली थी। इटली ने मोइज कीन के दो गोल की मदद से बराबरी की। इसके बाद 59वें मिनट में माटेओ पोलिटानो ने माटेओ रेटेगुई ने इटली को बढ़त दिलाई और जियाकोमो रास्पाडोरी ने चौथा गोल किया।

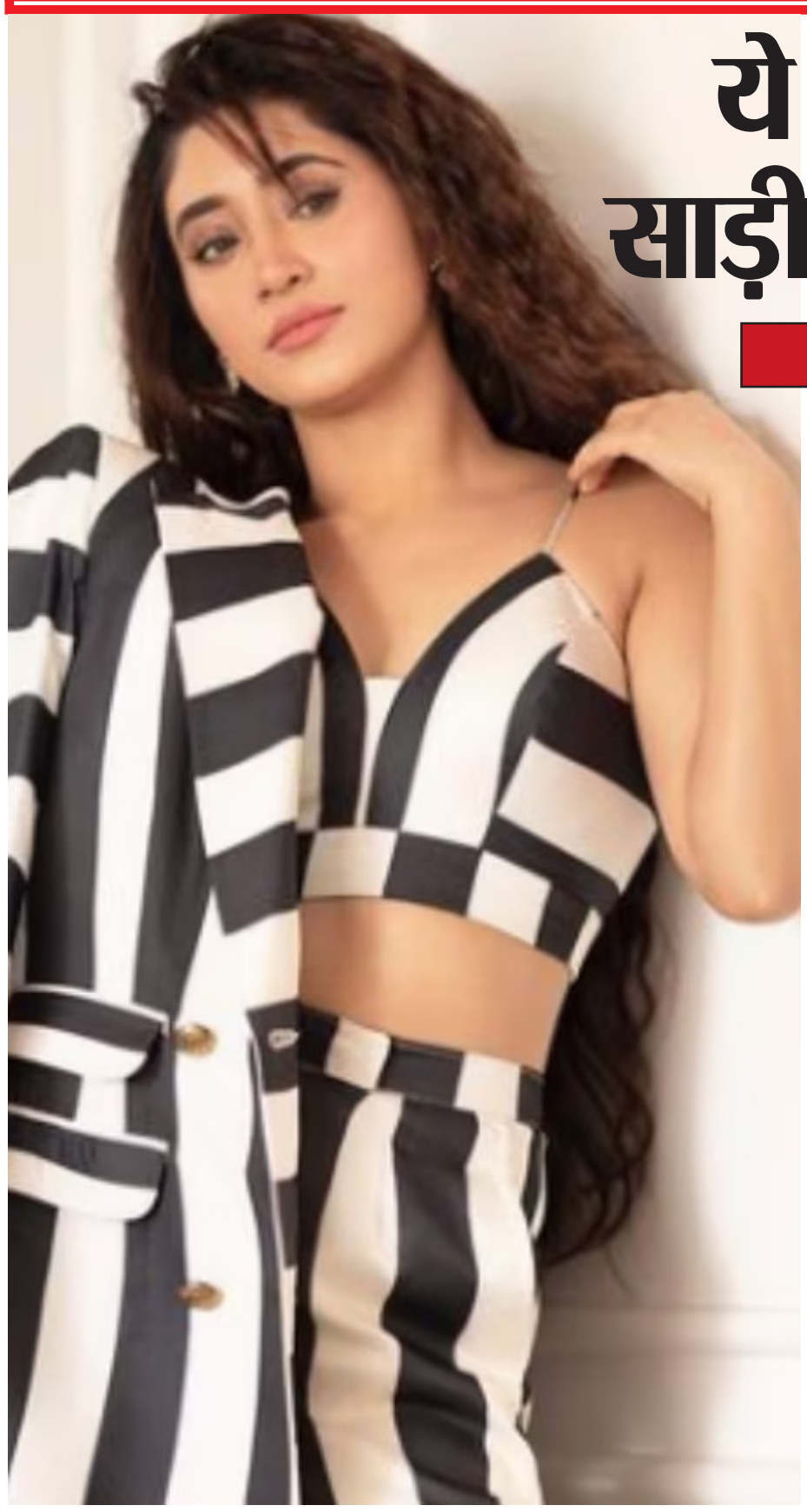

# ये रिश्ता... की शिवांगी जोशी का साड़ी में खूबसूरत और संस्कारी अंदाज

## फैंस हुए मदहोश

टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है की नायरा यानी शिवांगी जोशी ने अपने नए साड़ी लुक से फैंस का दिल जीत लिया है। लाल साड़ी में उनका ये देसी और संस्कारी रूप देखकर सोशल मीडिया पर लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इस लुक में शिवांगी ने अपने स्टाइल और सादगी का ऐसा मेल दिखाया है, जो हर किसी को आकर्षित कर रहा है। शिवांगी जोशी ने ये रिश्ता क्या कहलाता है में नायरा का किरदार निभाकर घर-घर में अपनी खास पहचान बनाई। भले ही वह कई अन्य टीवी शोज में भी नजर आईं, लेकिन नायरा के किरदार से मिली लोकप्रियता उन्हें आज भी उनके फैंस इसी नाम से पुकारते हैं। हाल ही में गणपति उत्सव के मौके पर शिवांगी ने अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिसमें उन्होंने लाल साड़ी पहनकर अपनी देसी खूबसूरती का जलवा बिखेरा। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं और लोग उनके इस लुक की खूब तारीफ कर रहे हैं। टीवी पर जहां शिवांगी संस्कारी बहू और बेटी के रोल में नजर आती थीं, वहीं रियल लाइफ में भी वह ट्रेडिशनल कपड़ों में बेहद खूबसूरत लगती हैं। इस बार उन्होंने एक सिंपल लेकिन बेहद स्टाइलिश लाल साड़ी पहनी, जो देखने में हल्की और आरामदायक लग रही थी। इस साड़ी में उन्होंने अपने लुक को ऐसा संवार रखा था कि कोई भी उन्हें देखता रह जाए। उनकी यह साड़ी किसी अप्सरा जैसी लग रही थी। शिवांगी ने जो साड़ी चुनी है वह बिल्कुल सिंपल प्लेन लाल रंग की है। इस साड़ी में न कोई भारी कढ़ाई थी और न ही कोई चमकीले सितारे, लेकिन उन्होंने पल्लू को बहुत ही खूबसूरती से स्टाइल किया था। पल्लू को नीट एंड क्लीन प्लीट्स में ओपन रखा गया था, जिससे उनका लुक और भी आकर्षक लग रहा था। उन्होंने भारी कढ़ाई वाला ब्लाउज पहना था, जो उनके पूरे लुक का स्टार था। उनका ब्लाउज रेड रंग का था, जिस पर छोटे-छोटे मोतियों की कढ़ाई की गई थी। पूरे ब्लाउज को मोतियों से बेल जैसा डिजाइन दिया गया था, जो पूरी तरह से फुल स्लीव्स था। नेकलाइन और बॉर्डर को जिगजैग लाइन में डिजाइन किया गया था, जिससे ब्लाउज में एक स्टाइलिश टच देखने को मिला। इस ब्लाउज ने लाल साड़ी के सिंपल लुक को परफेक्ट बना दिया। शिवांगी ने अपने इस ट्रेडिशनल लुक को राजमानी ज्वेलर्स के खूबसूरत चोकर सेट से सजाया। इसमें लगे सफेद और सुनहरे मोती उनकी साड़ी के साथ बहुत अच्छे लग रहे थे। हाथ में पहनी अंगूठी भी उनके लुक में चार चांद लगा रही थी। उनकी ज्वेलरी काफी सिंपल लेकिन क्लासी थी, जिससे उनका लुक और भी निखर गया। अपने चेहरे को और निखारने के लिए शिवांगी ने छोटी-सी काली बिंदी लगाई थी, जो उनके लुक को और भी खूबसूरत बना रही थी। बालों को उन्होंने बीच में पार्ट करके खुला छोड़ा था, तो कभी हाफ पिनअप करके कुछ लटें बाहर निकाली थीं। ब्राउन लिप्स उनके चेहरे पर एक खास चमक ला रहे थे, जो उनके देसी और मदमस्त अंदाज को परफेक्ट बना रहे थे।

## काजल अग्रवाल के निधन की फैली खबर, एक्ट्रेस ने खुद आकर बोला- मैं जिंदा हूं

दक्षिण की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक काजल अग्रवाल ने बॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाई है। उनके फैंस उस समय सदमे में आ गए जब खबर आई कि सड़क दुर्घटना में काजल की मृत्यु हो गई। सोशल मीडिया पर ये अफवाहें तेजी से फैलीं, जिसके बाद अभिनेत्री को आगे आकर इन अटकलों पर विराम लगाना पड़ा।काजल ने दुर्घटना के झूठे दावों का जवाब दिया अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज के जरिए स्पष्ट किया कि वायरल हो रही खबर पूरी तरह से निराधार है। झूठी खबरों पर अपनी राहत व्यक्त करते हुए, काजल ने लिखा-मुझे कुछ निराधार खबरें मिली हैं जिनमें दावा किया गया है कि मेरा एक्सीडेंट हुआ था और अब मैं इस दुनिया में नहीं हूं। और सच कहूं तो, यह काफी मजेदार है क्योंकि यह झूठ है। ईश्वर की कृपा से, मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहती हूं कि मैं बिल्कुल ठीक हूं, सुरक्षित हूं और बहुत अच्छा कर रही हूं। मैं आपसे विनम्र निवेदन करती हूं कि ऐसी झूठी खबरों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें फैलाएँ। आइए अपना ध्यान सकारात्मकता और सच्चाई पर केंद्रित रखें। काजल, जिन्होंने 2004 में क्यों! हो गया ना... से हिंदी सिनेमा में शुरूआत की थी, थुप्पक्की, टेम्पर, कोमली और हे सिनामिका जैसी हिट फिल्मों के साथ तमिल और तेलुगु सिनेमा के सबसे बड़े नामों में से एक बन गईं। उन्होंने हाल ही में कन्नप्पा में एक विशेष भूमिका निभाई और अब वह द इंडियन स्टोरी, इंडियन 3 और रामायण में दिखाई देंगी। अभिनेत्री ने अक्टूबर 2020 में व्यवसायी गौतम किचलू से शादी की। यह जोड़ा एक बेटे, नील, का माता-पिता है और काजल अक्सर अपने व्यस्त फिल्मी शेड्यूल के अपडेट के साथ-साथ अपने पारिवारिक जीवन की दिल को छू लेने वाली झलकियां साझा करती हैं।

## जब प्रियंका के लिए अक्षय कुमार ने पत्नी को दिया था धोखा

*घर छोड़कर चली गई थी ट्विंकल*

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता अक्षय कुमार आज 58 वर्ष के हो गये हैं। वैसे तो खिलाड़ी कुमार ने कई हीरोइनों के साथ काम किया है , लेकिन प्रियंका चोपड़ा और उनकी जोड़ी बॉलीवुड की हिट जोड़ियों में गिनी जाती है। पर एक वक्त ऐसा आया कि पर्सनल लाइफ और फैमिली प्रायोरिटी के चलते अक्षय ने उनके साथ आगे फिल्में न करने का फैसला लिया। चलिए आज जानते हैं दोनों के उन पुराने किस्सों के बारे में जिनके चर्चे आज भी होते हैं। कुछ सालों पहले फिल्ममेकर सुनील दर्शन ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि कैसे प्रियंका के कारण अक्षय का घर टूटने की कगार पर पहुंच गया था। सुनील दर्शन के अनुसार, अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा के बीच बेहतरीन कैमिस्ट्री थी और दर्शक इन्हें स्क्रीन पर खूब पसंद करते थे। ऐसे में दोनों के बीच नजदीकियां भी बढ़ने लगी थी, जिससे अक्षय कुमार की पत्नी ट्विंकल खन्ना को इस बात से परेशानी होने लगी थी। उनकी आपत्तियों के चलते अक्षय ने प्रियंका के साथ आगे काम न करने का फैसला लिया। सुनील दर्शन ने बताया था कि फिल्म बरसात ( 2005 ) की शूटिंग अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा के साथ शुरू हो रही थी। हालांकि, फिल्म को एक ही शेड्यूल में पूरा करने की योजना थी, लेकिन घटनाओं ने अचानक करवट ले ली। उन्होंने बताया कि शूटिंग शुरू होने से पांच दिन पहले अक्षय ने उनसे मिलने का आग्रह किया। मिलने पर अक्षय ने उन्हें बताया कि प्रियंका से जुड़ी खबरों के चलते ट्विंकल खन्ना नाराज होकर घर छोड़कर चली गई है। सुनील ने स्पष्ट किया कि प्रियंका दोषी नहीं थीं, उनका कहना है कि शादीशुदा होने के नाते अभिनेता के लिए जिम्मेदार होना और भी जरूरी हो जाता है। उनका कहना था कि एक एक्टर के तौर पर आपको जिम्मेदार होना पड़ता है. अगर आपकी पत्नी भी एक एक्ट्रेस रही हैं, तो वह इस इंडस्ट्री के बारे में सब कुछ जानती हैं और उन्होंने भी सभी बड़े सितारों के साथ काम किया है, वह सब कुछ जानती थी। इस स्थिति के चलते अक्षय ने फिल्म बरसात से अपना नाम वापस ले लिया। फिल्म में बॉबी देओल को मुख्य भूमिका के लिए कास्ट किया गया।

## बाल खींचे, गालियां दीं, बुरी तरह पीटा..नर्गिस के पति ने किया एक्ट्रेस का बुरा हाल, मुंह में बंदूक डालकर की जबड़ा तोड़ने की कोशिश

पाकिस्तानी एक्ट्रेस नर्गिस ( असली नाम गजाला इदरीस ) इस वक्त अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने पति मजीद बशीर को लेकर बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया है। नर्गिस का कहना है कि उनके पति ने उन्हें बुरी तरह पीटा है। पति पर गंभीर आरोप लगाते हुए एक्ट्रेस ने पुलिस के पास उसके खिलाफ शिकायत भी दर्ज करवाई है। नर्गिस ने बताया ये घटना तब हुई जब उन्होंने अपनी प्रॉपर्टी अपने पति मजीद बशीर को ट्रांसफर करने से मना कर दिया। एक्ट्रेस का कहना है कि शुक्रवार को उनके पति ने उन्हें बाल खींचकर, गालियां देते हुए भतीजे और कर्मचारियों के सामने बुरी तरह पीटा। नर्गिस ने यह भी आरोप लगाया कि उनके पति ने उनके मुंह में सरकारी बंदूक डालकर उनका जबड़ा तोड़ने की कोशिश की। इस हमले में उनके चेहरे, आंखों और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। दर्द और सदमे के कारण नर्गिस काफी परेशान दिखीं। नर्गिस ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके शरीर पर नीले निशान और चोटें साफ दिखाई दे रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके पति का मकसद उनकी जमीन, सोने के गहने और उनकी बशीर को लेकर बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया है। दूसरी प्रॉपर्टीज को हथियाना था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि मजीद बशीर फरार है और उसे पकड़ने के लिए कई जगह छापेमारी की जा रही है। इस घटना ने नर्गिस और उनके फैंस को झकझोर कर रख दिया है। नर्गिस के साथ यह घटना पहली बार नहीं हुई। 2002 में, जब वह अपने करियर के टॉप पर थीं, उनके एक्स पति और पूर्व पुलिस अफसर बॉक्सर आबिद ने भी उन्हें शारीरिक रूप से काफी नुकसान पहुंचाया था।

## कंतारा: चौप्टर 1 में दिखेगी भारतीय एक्शन की ताकत, स्टंट कोरियोग्राफर अर्जुन राज का बड़ा खुलासा

होम्बले फिल्म्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म कंतारा चौप्टर 1 इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक मानी जा रही है। अब फिल्म के एक्शन-स्टंट कोरियोग्राफर अर्जुन राज ने इसके एक्शन सीक्वेंसेज पर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि फिल्म में भारतीय सिनेमा के अब तक के कुछ सबसे भव्य और महंगे स्टंट फिल्माए गए हैं, जो दर्शकों को एक नए स्तर का सिनेमाई अनुभव देंगे। अर्जुन राज ने बताया कि शुरूआत में वे सिर्फ एक सीक्वेंस कोरियोग्राफ करने वाले थे, लेकिन बाद में उन्हें चार बड़े सीक्वेंसेज की जिम्मेदारी मिली। उन्होंने कहा कि फिल्म की पौराणिक लड़ाइयों को असली रूप देने के लिए बेहद रिसर्च और तैयारी करनी पड़ी। खासकर रथ वाले सीक्वेंस को उन्होंने अपने करियर का सबसे खतरनाक स्टंट बताया। वहीं, उन्होंने अभिनेता ऋषभ शेट्टी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने बिना बॉडी डबल, खुद सभी स्टंट किए और तलवारबाजी, घुड़सवारी व कलारिपयट्टू की ट्रेनिंग ली। फिल्म के निर्माण में बड़े पैमाने पर खर्च और समय लगाया गया है। अर्जुन राज ने खुलासा किया कि सिर्फ एक रथ वाले सीक्वेंस पर ही 25 दिन लगे और हर बड़े फाइट सीन पर एक दिन में लगभग एक करोड़ रुपये का खर्च आया। उन्होंने बताया कि इस बार भारतीय सिनेमा में पहली बार हॉलीवुड स्टाइल रिगिंग तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिसे लोककथाओं पर आधारित फिल्म में ढालना चुनौतीपूर्ण लेकिन यादगार रहा। मेकर्स ने इस फिल्म के लिए 500 पेशेवर फाइटर्स और करीब 3,000 लोगों के साथ एक विशाल वॉर सीक्वेंस तैयार किया है। इसे 25 एकड़ में फैले एक पूरे शहर के सेट पर 45 से 50 दिनों तक फिल्माया गया। यह भारतीय सिनेमा के इतिहास का सबसे बड़ा वॉर सीक्वेंस माना जा रहा है। फिल्म का निर्देशन ऋषभ शेट्टी ने किया है। म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनीश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिजाइनर विनेश बंगालन ने फिल्म को शानदार विजुअल ट्रीट देने का काम किया है। कंतारा चौप्टर 1 2 अक्टूबर 2025 को कन्नड़, हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में विश्वभर में रिलीज होगी।

## पर्वेज दमानीया द्वारा क्यूरेट की गई छह-दिवसीय प्रदर्शनी, 20 सितम्बर 2025 से पिरामल एनसीपीए गैलरी में शुरू

शिवदत्त दास आर्ट फाउंडेशन पेश करता है एंड्यूरिंग लेगेसीजरू एडिशन 1- टाइमलेस फ्रेम्स फोटोग्राफिक जर्नी थ्रू इंडियन सिनेमा, जो श्री दामोदर कामत के अद्भुत कार्यों को उजागर करता है वह अनसुना मराठी युवक जिसकी कैमरा दृष्टि ने भारतीय सिनेमा के दृश्य इतिहास को आकार दिया। श्री दामोदर कामत के कालजयी फोटोग्राफ्स को आम दर्शकों तक पहुँचाने के बारे में बोलते हुए अर्थशास्त्री और उद्योगपति शिवदत्त दास ने कहा, मैं हमेशा मानता हूँ कि कला और संस्कृति किसी भी राष्ट्र की पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं। श्री दामोदर कामत, जो इस मिट्टी के गर्वित

मराठी सपूत थे, लंबे समय तक अनसुने रहे, जबकि उन्होंने भारतीय सिनेमा और उसके दृश्य इतिहास में उल्लेखनीय योगदान दिया। शिवदत्त दास आर्ट फाउंडेशन के माध्यम से हमें यह सौभाग्य मिला है कि हम उनके असाधारण कार्यों को दुनिया के सामने लाएँ, ताकि उनकी कालजयी तस्वीरें आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का दीपक बनी रहें। प्रदर्शनी को क्यूरेट करने के अनुभव पर बोलते हुए पर्वेज दमानीया ने कहा, कामत फोटो फ्लैश और दामोदर कामत के विशाल कार्य को समझना और इस प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। उनकी तस्वीरें मात्र स्थिर छवियाँ नहीं हैं, बल्कि जीवित दस्तावेज हैं जो भारतीय सिनेमा की आत्मा को पकड़ते हैं, जिससे मैं हमेशा मोहित रहा हूँ। इस प्रदर्शनी के माध्यम से हमारा उद्देश्य दर्शकों को उस दौर में ले जाना है, जब हर फ्रेम एक कहानी कहता था, और सिनेमा के कुछ सबसे सुनहरे पलों का जश्न मनाना है। श्री दामोदर कामत ने केवल स्थिर तस्वीरें नहीं खींचीं, बल्कि उन्होंने भारत को सिनेमा देखना सिखाया। वर्षों तक उन्होंने राज कपूर, गुरु दत्त और बिमल रॉय जैसे दिग्गज निर्देशकों के साथ काम किया और शिल्प व गरिमा की एक विरासत रची। आज, तीन लाख से अधिक नेगेटिव्स का यह अनमोल संग्रह उनकी तीसरी पीढ़ीकृनेहा और अभिषेक कामतकृके संरक्षण में है। वे कामत फोटो फ्लैश के माध्यम से डिजिटलीकरण और विद्वानों, फिल्मकारों तथा शोधकताओं के साथ सहयोग द्वारा इस धरोहर को आगे बढ़ा रहे हैं। सभी तस्वीरें 310ह्व जर्मन पेपर पर प्रिंट की गई हैं, जिसे दुनिया के सर्वोत्तम फोटो प्रिंटिंग पेपर में गिना जाता है। भारतीय सिनेमा में उनके अभूतपूर्व योगदान के सम्मान में, यह छह-दिवसीय प्रदर्शनी दिलीप पिरामल आर्ट गैलरी, एनसीपीए, नरीमन पॉइंट, मुंबई में 20 से 25 सितम्बर 2025 तक आयोजित होगी। एनसीपीए न केवल एक प्रतिष्ठित पता है, बल्कि दिलीप पिरामल आर्ट गैलरी मुंबई में तस्वीरों की प्रदर्शनी के लिए सर्वश्रेष्ठ स्थल है। इसे विशेष रूप से फोटोग्राफ प्रदर्शनी के लिए ही बनाया गया है। यह प्रदर्शनी केवल एक रेट्रोस्पेक्टिव नहीं है, बल्कि मुंबई की दृश्य धरोहर को संरक्षित करने का एक प्रयास है। ये तस्वीरें दिखाती हैं कि भारतीय सिनेमा को कैसे वित्त पोषित किया गया, कैसे गढ़ा गया और अंततः कैसे कल्पित किया गया।

## तभी...', 2011 में माल्या-कुंबले के कॉल ने बदली क्रिस गेल की जिंदगी

आईपीएल 2011 के बीच सीजन में फ्लइ के तेज गेंदबाज डिर्क नैनिस चोटिल होकर बाहर हो गए और टीम को एक विकल्प की तलाश थी। तभी फ्लइ की नजर गेल पर गई। इसके बाद आईपीएल में गेल का तूफान आया। वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज और आईपीएल के महान खिलाड़ियों में शुमार क्रिस गेल ने हाल ही में खुलासा किया कि उन्हें 2011 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (फ्लइ) ने किस तरह टीम में शामिल किया था। उस पल ने न केवल गेल का करियर बदल दिया बल्कि आईपीएल के इतिहास में भी नई कहानी लिख दी। आईपीएल 2025 - फोटो : ढळक गेल ने अपने आईपीएल करियर की शुरूआत 2009 में कोलकाता नाइट राइडर्स से की थी। दो सीजन खेलने के बाद फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिलीज कर दिया और 2011 की नीलामी में वह अनसोल्ड रह गए। हालांकि, किस्मत ने उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा था। आईपीएल 2011 के बीच सीजन में फ्लइ के तेज गेंदबाज डिर्क नैनिस चोटिल होकर बाहर हो गए और टीम को एक विकल्प की तलाश थी। तभी फ्लइ की नजर गेल पर गई। आईपीएल 2025 - फोटो : ढळक/इउउक एक पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान गेल ने उस यादगार पल का जिक्र किया।

# वे हमारा खून चूस रहे हैं

## डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार पीटर नवारो का ब्रिक्स देशों पर करारा हमला

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो की तरफ से ब्रिक्स देशों पर निशाना साधा गया है। उन्होंने ब्रिक्स देशों को वैम्पायर करार दिया है। वहीं इसके साथ ही उन्होंने एक फिर भारत के रूस से तेल खरीद पर निशाना साधा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो ने ब्रिक्स देशों पर निशाना साधते हुए उन्हें 'वैम्पायर' यानी खून चूसने वाले करार दिया। उनका आरोप है कि ये देश अनुचित व्यापारिक नीतियों के जरिए अमेरिका की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रहे हैं। पीटर नवारो ने अमेरिकी मीडिया चैनल को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि ब्रिक्स देशों का अस्तित्व तभी तक है जब तक वे अमेरिका को सामान बेचते हैं। उन्होंने कहा, 'इन देशों में से कोई भी अमेरिका को अपने उत्पाद बेचे बिना जीवित नहीं रह सकता। लेकिन जब ये हमें सामान बेचते हैं तो ये वैम्पायर की तरह हमारे खून को चूसते हैं।' ब्रिक्स देशों पर नवारो ने कसा तंज उन्होंने दावा किया कि ब्रिक्स देशों के बीच आपसी अविश्वास और तनाव है। नवारो ने कहा, 'इतिहास गवाह है कि ये देश एक-दूसरे से नफरत करते हैं और लड़ते-भिड़ते रहते हैं।' नवारो ने उदाहरण देते हुए कहा कि रूस और चीन के बीच भरोसा नहीं है। चीन, रूस के व्लादिवोस्तोक पोर्ट पर अपना दावा करता है और अवैध आव्रजन के जरिए साइबेरिया में अपनी

पकड़ बढ़ा रहा है। भारत और चीन के बीच दशकों से सीमा विवाद और तनाव है। चीन ने पाकिस्तान को परमाणु हथियार दिए, जिससे भारत की सुरक्षा चिंताएं और बढ़ीं। ब्राजील की अर्थव्यवस्था राष्ट्रपति लूला की समाजवादी नीतियों की वजह से गिर रही है। नवारो ने तंज कसते हुए कहा, 'अब देखना होगा कि ये गठबंधन कितने दिन चलता है।' जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रतिनिधित्व किया। जयशंकर ने बैठक में जोर दिया कि ब्रिक्स को वैश्विक अर्थव्यवस्था को स्थिर करने, वैश्विक दक्षिण पर जारी संघर्षों के प्रभाव को दूर करने और बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार का समर्थन करना चाहिए।वहीं इस समिट में ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने कहा कि चर्चा का केंद्र एक न्यायपूर्ण, संतुलित और समावेशी वैश्विक व्यवस्था बनाने पर रहा। ब्रिक्स में 11 देश शामिल वर्तमान में ब्रिक्स में 11 देश शामिल हैं- ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, मिस्र, यूएई, इथियोपिया, इंडोनेशिया और ईरान। यह समूह मुख्य रूप से ग्लोबल साउथ देशों के बीच राजनीतिक और आर्थिक समन्वय का मंच है। भारत को लेकर फिर भड़के पीटर नवारो वहीं पीटर नवारो ने एक बार फिर भारत पर निशाना साधा है। नवारो लगातार एक्स पर भारत से जुड़े दावों को लेकर फैक्ट-चेक का सामना कर रहे हैं। इसके बावजूद उन्होंने पीछे हटने के बजाय भारत पर ही अपने ऑनलाइन पोल को प्रभावित करने का आरोप लगाया। नवारो ने एक्स पर लिखा, 'भारत की आबादी दुनिया में सबसे ज्यादा है और यह सिर्फ कुछ लाख प्रचारकों को तैनात कर सकता है जो मेरे पोल को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं? यह बहुत मजेदार है।

## भारतीय फुटबॉल टीम ने पहली बार ओमान को दी शिकस्त, पेनल्टी शूटआउट में हराया; तीसरे स्थान पर रही

**हिसोर (एजेंसी)।** भारतीय फुटबॉल टीम के लिए यह जीत यादगार और ऐतिहासिक है क्योंकि इससे पहले उसने कभी भी पश्चिम एशिया के अपने प्रतिद्वंद्वी को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच में नहीं हराया था। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने सीएएफए नेशंस कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास में पहली बार ओमान को शिकस्त दी। भारत और ओमान के बीच नियमित समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर छूटा था जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट के जरिये नतीजा निकला। भारतीय टीम ने पेनल्टी शूटआउट में ओमान को 3-2 से

हराया और इस टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल करने में सफल रही। भारत के लिए ऐतिहासिक रही जीत भारतीय फुटबॉल टीम के लिए यह जीत यादगार और ऐतिहासिक है क्योंकि इससे पहले उसने कभी भी पश्चिम एशिया के अपने प्रतिद्वंद्वी को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच में नहीं हराया था। हालांकि, टीम ने इस तिलिस्म को भी तोड़ा और ओमान पर जीत दर्ज की। भारत को उदांता सिंह ने बराबरी दिलाई, जबकि इससे पहले यहमादी ने ओमान की ओर से गोल किया था। पिछले 25 साल में ओमान के खिलाफ गंवाए थे छह मैच पेनल्टी शूटआउट में बेहतर रैंकिंग वाली टीम ओमान ने अपने शुरूआती दो मौके गंवा दिए, जबकि गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने अंतिम पेनल्टी को रोककर तीसरे-चौथे स्थान के क्लासीफिकेशन मुकाबले में भारत की जीत सुनिश्चित की। पेनल्टी शूटआउट में भारत की ओर से लालियनजुआला छांगटे, राहुल भेके और जितिन एमएस ने गोल दागे।

# 'ये हमारी राजधानी पर भयानक आतंकी हमला'

## यरुशलम गोलीबारी पर इस्त्राइल की कड़ी प्रतिक्रिया

**तेल अवीव (एजेंसी)।** इस्त्राइल ने यरुशलम गोलीबारी की निंदा करते हुए, इसे अपनी राजधानी पर भयावह आतंकी हमला करार दिया। इस्त्राइली सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि ऐसी घटनाएं उनके देश में पहले हुए अत्याचारों की याद दिलाती हैं। दो फलस्तीनी हमलावरों ने सोमवार को यरुशलम के एक व्यस्त चौराहे पर गोलीबारी की, जिसमें छह इस्त्राइली नागरिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हैं। हमले के तुरंत बाद ही दोनों हमलावरों को ढेर कर दिया गया। 'यरुशलम में हुआ हमला एक चेतावनी' इस्त्राइल के वित्त मंत्रालय में महालेखाकार याली रोथेनबर्ग ने कहा, 'जहां गोलीबारी हुई, मैं उस बस स्टॉप को जानता हूं, और मेरे एक कर्मचारी की मां उस हमले में मारी गई

हैं।' याली रोथेनबर्ग इस समय भारत के दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि 'यह हम सभी के लिए एक चेतावनी है कि हम उन चरमपंथियों से बचें, जो ये अमानवीय कृत्य करते हैं, जो हमारी हर चीज का विरोध करते हैं। इस्त्राइल में और भारत में भी, हम इस तरह के रिश्ते में भागीदार हैं। जब हम इन चीजों को देखते हैं, तो हमें इस्त्राइल में हाल ही में और लगभग दो साल पहले हुए अत्याचारों की याद आती है। मानवता की भलाई के लिए, हमारा इससे लड़ने का आान है।' यरुशलम हमले में छह की मौत रोथेनबर्ग वर्तमान में इस्त्राइली वित्त मंत्री बेजेल स्मोट्रिच के नेतृत्व में एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होकर भारत का दौरा कर रहे हैं। भारत और इस्त्राइल के बीच पारस्परिक निवेश और आर्थिक सहयोग बढ़ाने को लेकर समझौता हुआ है। इस्त्राइल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'यह वह बुराई है जिसका इस्त्राइल सामना कर रहा है। दो आतंकवादियों ने यरुशलम में एक बस पर गोलीबारी की, यात्रियों, राहगीरों और पहुंच में आने वाले लोगों को निशाना बनाया। हमले में छह लोग मारे गए। एक दर्जन से ज्यादा घायल हुए। इस्त्राइल जो युद्ध लड़ रहा है वह उन सभी के लिए है जो आतंक के खिलाफ खड़े हैं।' इस्त्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने यरुशलम हमले को लेकर कहा कि हम कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में हैं। यूरोप, अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हर देश को फैसला करना होगा कि क्या वे इस्त्राइल के साथ हैं या फिर जिहादियों के साथ? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस्त्राइल में हुए आतंकी हमले की निंदा की और कहा कि भारत आतंकवाद के प्रति अपनी शून्य सहनशीलता की नीति पर अडिग है। प्रधानमंत्री ने इस्त्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को टैग करते हुए एक्स पर कहा, 'भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा करता है और आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की अपनी नीति पर दृढ़ है।'

## नॉर्वे में कड़े मुकाबले में जीती लेबर पार्टी, चार साल और सरकार का नेतृत्व करेंगे पीएम जोनास स्टोरे

**ओस्लो (एजेंसी)।** लेबर पार्टी को 28 प्रतिशत वोट मिले और सेंटर लेफ्ट पार्टी ने लेबर पार्टी को समर्थन दिया है। 169 सदस्यीय नॉर्वे की संसद में

लेबर पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन को कुल 88 सीटों पर जीत मिली है। नॉर्वे के आम चुनाव के नतीजे आ चुके हैं और सत्ताधारी लेबर पार्टी ने एक बार फिर जीत हासिल की है। हालांकि लेबर पार्टी को बेहद कड़े मुकाबले में जीत हासिल हुई। नॉर्वे के प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता जोनास गार स्टोरे ने जीत का एलान किया। लेबर पार्टी ने टैक्स और जनकल्याणकारी नीतियों का डर दिखाकर मतदाताओं को अपने पक्ष में किया, जिसका उसे फायदा हुआ। नॉर्वे के आम चुनाव में बेहद कड़ा रहा मुकाबला नॉर्वे में भी दक्षिणपंथी राजनीति का उभार हो रहा है और आम चुनाव के दौरान मतदाताओं के रुझान ने भी बता दिया कि नॉर्वे में भी आने वाले समय में दक्षिणपंथी पार्टियां सत्ता पर काबिज हो सकती हैं। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे अगले चार साल और देश का नेतृत्व करेंगे। लेबर पार्टी की जीत का अंतर महज 2.5 प्रतिशत रहा। लेबर पार्टी को 28 प्रतिशत वोट मिले और सेंटर लेफ्ट पार्टी ने लेबर पार्टी को समर्थन दिया है। 169 सदस्यीय नॉर्वे की संसद में लेबर पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन को कुल 88 सीटों पर जीत मिली है। अप्रवासन विरोधी पार्टी की लोकप्रियता में आया उछाल अप्रवासन विरोधी एंटी इमीग्रेशन प्रोग्रेस पार्टी को रिकॉर्ड 24 प्रतिशत मत मिले हैं। कंजर्वेटिव पार्टी को सिर्फ 15 प्रतिशत मत मिले हैं और यह पार्टी का बीते दो दशकों में सबसे खराब प्रदर्शन है।

## रूस ने पूर्वी यूक्रेन के एक गांव पर ग्लाइड बम से किया भीषण हमला, कम से कम 21 लोगों की मौत

**कीव/मॉस्को (एजेंसी)।** अलास्का में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई वार्ता के बाद रूस की ओर से यूक्रेन पर एक के बाद एक भीषण हमले किए जा रहे है। मंगलवार को रूस द्वारा पूर्वी यूक्रेन के एक गांव पर ग्लाइड बम से किए गए हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि मंगलवार को पेंशन वितरण के दौरान पूर्वी यूक्रेन के एक गाँव पर रूसी ग्लाइड बम गिरा, जिसमें 20 से ज्यादा नागरिक मारे गए। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि बम डोनेट्स्क क्षेत्र के यारोवा गांव में गिरा। उन्होंने हमले को बहुत ही क्रूर बताया है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वे रूस पर अतिरिक्त प्रतिबंधों के जरिए उसके आक्रमण की आर्थिक कीमत चुकाएं। जेलेंस्की ने लिखा, दुनिया को चुप नहीं रहना चाहिए। दुनिया को निष्क्रिय नहीं रहना चाहिए। अमेरिका को प्रतिक्रिया की जरूरत है। यूरोप को प्रतिक्रिया की जरूरत है। जी-20 को प्रतिक्रिया की जरूरत है। रूस को मौत का तांडव मचाना बंद करने के लिए कड़ी कार्रवाई की जरूरत है। हाल के महीनों में अमेरिका के शांति प्रयासों में कोई प्रगति नहीं होने के कारण रूस ने यूक्रेन पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं। रविवार को रूस ने राजधानी कीव पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। जो 24 फरवरी, 2022 को युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला था। ग्लाइड बम सोवियत दौर के हैं।

# हिंसक प्रदर्शन से काठमांडू एयरपोर्ट बंद, भारतीय उड़ानें रद्द; दूतावास ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नेपाल में व्यापक विरोध प्रदर्शनों के कारण राजधानी काठमांडू का त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इसी बीच नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। हालात को देखते हुए एअर इंडिया और इंडिगो ने काठमांडू जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी हैं। इसी बीच भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी कर दिया है। नेपाल की राजधानी काठमांडू इस समय भारी अशांति की चपेट में है। सोमवार को सोशल मीडिया पर लगे प्रतिबंध के खिलाफ जेन जी की अगुवाई में हुए प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया। इसके बाद काठमांडू का त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी बंद करना पड़ा। ऐसे में, भारत से नेपाल जाने वाली कई उड़ानें प्रभावित हुईं। एअर इंडिया ने दिल्ली-काठमांडू मार्ग पर चलने वाली तीन उड़ानों (अक2231/2232, अक2219/2220 और अक217/218) को रद्द कर दिया। वहीं, इंडिगो की दिल्ली और मुंबई से उड़ानें (6ए1153 और 6ए1157) काठमांडू में उतरने के इंतजार में रहीं लेकिन मंजूरी न मिलने पर उन्हें लखनऊ डायवर्ट करना पड़ा। नेपाल की नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अधिकारी ज्ञानेंद्र भुल ने बताया कि प्रदर्शनकारियों द्वारा लगाई गई आग से उठे धुएं के कारण हवाईअड्डे के दक्षिणी हिस्से से आने वाली उड़ानों की लैंडिंग रोक दी गई।

फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार24 के आंकड़ों से भी पता चला कि कई भारतीय विमान नेपाल के ऊपर चक्कर काट रहे थे। सोशल मीडिया बैन से भड़का आक्रोश नेपाल सरकार ने हाल ही में इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, यूट्यूब और एक्स (पहले ट्विटर) जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाया था। इसके खिलाफ हजारों युवा काठमांडू की सड़कों पर उतर आए। देखते ही देखते प्रदर्शन हिंसक हो गया और प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन को घेर लिया। पुलिस ने आंसू गैस और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, लेकिन भीड़ के सामने सुरक्षाबल बेबस हो गए। भारतीय दूतावास ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर इसी बीच भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों के लिए आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। दूतावास ने कहा कि नेपाल में मौजूद सभी भारतीय नागरिक किसी भी आपात स्थिति या सहायता की जरूरत होने पर तुरंत संपर्क कर सकते हैं। जारी किए गए नंबर हैं: +977-9808602881 और +977-9810326134। दूतावास ने नागरिकों से सतर्क रहने और हालात पर नजर बनाए रखने की अपील की है। यात्रियों को अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी गई है। नेताओं के घरों में आगजनी स्थिति इतनी बिगड़ी कि प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली समेत कई शीर्ष नेताओं के घरों को आग के हवाले कर दिया। स्थानीय मीडिया में आई तस्वीरों और वीडियो में संसद भवन से उठते धुएं के बड़े-बड़े गुबार नजर आए। मंगलवार को ओली ने इस्तीफा दे दिया। वहीं, इन हालातों को देखकर ऐसा माना जा रहा है कि कई बड़े नेता नेपाल भी छोड़ सकते हैं। राजधानी काठमांडू के कई हिस्सों में कर्फ्यू लगाया गया है और सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। मंगलवार को भी लोग सोमवार की हिंसा और 19 मौतों के खिलाफ सड़कों पर उतरे। प्रदर्शन अब सिर्फ सोशल मीडिया बैन तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकारी भ्रष्टाचार और राजनीतिक असंतोष के खिलाफ गुस्से में तब्दील हो चुका है।

## पीएम केपी शर्मा ओली ने दिया इस्तीफा; देश छोड़कर जाने की अटकलें, प्राइवेट प्लेन तैयार

**काठमांडू (एजेंसी)।** नेपाल में भारी हिंसा के बीच केपी शर्मा ओली ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है और उनके देश छोड़कर जाने की अटकलें हैं। उन्होंने सेना से अपनी सुरक्षित निकासी की अपील की थी। जिसके बाद कहा जा रहा है कि सेना उन्हें किसी अज्ञात स्थान पर ले गई है। नेपाल में बीते दो दिनों में बहुत कुछ बदल गया है। शोसल मीडिया बैन को लेकर शुरू हुए आंदोलन में अब तक 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है वही, करीब 300 लोगों के घायल होने की खबर है। इस बीच, भारी दबाव के बाद पीएम केपी शर्मा ओली ने पद से इस्तीफा दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ओली देश से बाहर निकलने की फिराक में हैं और दुबई जा सकते हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा

किया जा रहा है कि युवाओं के प्रदर्शन के दौरान हालात बिगड़ने पर उन्होंने अपने आधिकारिक आवास से सुरक्षित निकलने और देश छोड़ने के लिए सेना की मदद मांगी थी। कहा जा रहा है कि ओली इलाज के बहाने दुबई जाने की योजना बना रहे हैं, जिसके लिए निजी एयरलाइन हिमालय एयरलाइंस को तैयार रखा गया है। वहीं, कहा यह भी जा रहा है कि ओली के पद छोड़ने के बाद सेना आगे आ सकती है। कई मंत्रियों ने दिया इस्तीफा नेपाल के ताजा हालातों में यह अपडेट तब सामने आया है जबकि काठमांडू समेत कई जिलों में युवाओं का प्रदर्शन हिंसक हो चुके हैं। ओली से पहले कई मंत्री और सांसद इस्तीफा दे चुके हैं। इस्तीफा देने वाले मंत्रियों में गृहमंत्री रमेश लेखक, स्वास्थ्य मंत्री प्रदीप पौडेल, कृषि एवं पशुधन विकास मंत्री रामनाथ अधिकारी का नाम शामिल है। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने कई मंत्रियों के आवासों और सरकारी इमारतों को आग के हवाले कर दिया है।

# पूर्व पीएम थाकसिन शिनावात्रा को एक साल जेल की सजा काटनी होगी

## सर्वोच्च न्यायालय का निर्देश

**बैंकॉक (एजेंसी)।** अदालत के मंगलवार के बयान में कहा गया है कि सबूतों से पता चलता है कि जिस रात थाकसिन शिनावात्रा की जेल में हालत बिगड़ी, उस रात जेल के अस्पताल में ही उनकी तबीयत ठीक की जा सकती थी, लेकिन जेल के डॉक्टरों द्वारा जांच किए बिना ही उसे सीधे पुलिस अस्पताल भेज दिया गया, जो प्रक्रियाओं का उल्लंघन था। थाईलैंड के सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा को भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों में पूर्व में दोषी ठहराए गए मामले में

एक साल की जेल की सजा काटनी होगी। थाकसिन शिनावात्रा को अतिरिक्त लाभ सुप्रीम कोर्ट इस बात की जांच कर रहा है कि क्या 2023 में सजा काटने के दौरान दिया गया। एक न्यायाधीश ने कहा कि थाकसिन की सजा का क्रियान्वयन ठीक से नहीं किया गया था। पुलिस अस्पताल में उनकी हिरासत को जेल की सजा नहीं माना जा सकता। अदालत ने इन बातों पर जताई नाराजगी गौरतलब है कि एक दशक से ज्यादा समय तक स्व-निर्वासन में रहने के बाद थाईलैंड लौटने पर, थाकसिन शिनावात्रा को एक दिन से भी कम समय जेल में बिताना पड़ा। कथित तौर पर चिकित्सा कारणों से शिनावात्रा को बैंकॉक के पुलिस जनरल अस्पताल के एक कमरे में भेज दिया गया था। बाद में थाईलैंड के राजा ने उनकी आठ साल की सजा को एक साल में बदल दिया, और अस्पताल में छह महीने बिताने के बाद उन्हें पैरोल पर रिहा कर दिया गया। अदालत के मंगलवार के बयान में कहा गया है कि सबूतों से पता चलता है कि जिस रात थाकसिन शिनावात्रा की जेल में हालत बिगड़ी, उस रात जेल के अस्पताल में ही उनकी तबीयत ठीक की जा सकती थी

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।